मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 187
मंगलवार, 20 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

बंगाल में एसआईआर में तार्किक विसंगतियों की सूची में शामिल लोगों के नाम प्रदर्शित किए जाएंः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को निर्वाचन आयोग (ईसी) को पश्चिम बंगाल के ग्राम पंचायत भवनों, तालुका प्रखंड कार्यालयों और वार्ड कार्यालयों में तार्किक विसंगतियों की सूची में शामिल लोगों के नाम प्रदर्शित करने का निर्देश दिया।

अदालत ने गौर किया कि राज्य में 1.25 करोड़ मतदाता तार्किक विसंगतियों की सूची में शामिल हैं। राज्य में 2002 की मतदाता सूची से संतानों के संबंध में तार्किक विसंगतियों में माता-पिता के नाम का बेमेल होना और मतदाता और उनके माता-पिता के बीच आयु का अंतर 15 वर्ष से कम या 50 वर्ष से अधिक होना शामिल है।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से प्रभावित होने की संभावना वाले लोगों को अपने दस्तावेज या आपत्तियां प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाए।

उच्चतम न्यायालय ने निर्देश दिया कि दस्तावेज और आपत्तियां प्रस्तुत करने के लिए कार्यालय पंचायत भवनों या ब्लॉक कार्यालयों के भीतर स्थापित किए जाएंगे। पीठ ने कहा, राज्य सरकार पंचायत भवनों और प्रखंड कार्यालयों में तैनाती के लिए राज्य निर्वाचन आयोग को पर्याप्त श्रमशक्ति उपलब्ध कराएगी।

न्यायालय ने कहा, इस संबंध में, हम निर्देश देते हैं कि सुचारू कामकाज के लिए प्रत्येक जिला, ईसीआई या राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों के लिए जारी किए गए निर्देशों का सावधानीपूर्वक पालन करे। उच्चतम न्यायालय ने निर्देश दिया कि पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य होंगे कि कानून-व्यवस्था की कोई समस्या न हो और सभी गतिविधियां सुचारू रूप से पूरी हों। सर्वोच्च न्यायालय पश्चिम बंगाल में चल रही एसआईआर प्रक्रिया में मनमानेपन और प्रक्रियात्मक अनियमितताओं के आरोपों से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था।

हम संविधान की रक्षा करना चाहते हैं, तो हमें पंचायतों और नगर पालिकाओं की रक्षा करनी होगी: राहुल गांधी

केरल, 19 जनवरी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को जनता से चुप्पी न साधने का आग्रह करते हुए कहा कि निःसंकोच संस्कृति में लालच का विचार गहराई से समाया हुआ है। राहुल गांधी ने कलामस्सेरी में एम लीलावती को केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रियदर्शनी साहित्य पुरस्कार प्रदान किया। कोच्चि में एक सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि पूरे देश में हम ऐसे लोगों को देखते हैं जो किसी बात पर विश्वास तो करते हैं लेकिन उसे कहने का साहस नहीं रखते। लेकिन महान राष्ट्र मौन में नहीं बनते। महान राष्ट्र और महान लोग तब बनते हैं जब वे अपने विचार और राय व्यक्त करते हैं और उनके लिए संघर्ष करते हैं।

गांधी ने कहा कि मौन संस्कृति में लालच का विचार भी गहराई से समाया हुआ हैः मुझे जो चाहिए वह मिल रहा है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे कुछ कहने की जरूरत नहीं है। मैं लोगों को अपमानित होते हुए, लोगों की हत्या होते हुए, लोगों को मरते हुए देख सकता हूं। जब तक मैं ठीक हूं, सब ठीक है। यही लालच की संस्कृति है। लोकसभा के विपक्ष के नेता ने कोच्चि के मरीन ड्राइव में पार्टी के निर्वाचित स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की।

राहुल ने कहा कि मैं स्थानीय निकाय चुनावों में भाग लेने वाले सभी लोगों को बधाई देना चाहता हूँ जिन्होंने कांग्रेस पार्टी और यूडीएफ के लिए शानदार परिणाम दिए। ग्राम पंचायत, ब्लॉक पंचायत, जिला परिषद, नगरपालिका और नगर निगमों सहित सभी स्तरों पर हमारा प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। मैं विशेष रूप से प्रसन्न हूँ क्योंकि पंचायतें, जो सरकार का तीसरा स्तर हैं, हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव हैं। यदि हम संविधान की रक्षा करना चाहते हैं, तो हमें पंचायतों और नगर पालिकाओं की रक्षा करनी होगी। हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों का विचार कांग्रेस पार्टी का ही था। संविधान का मूल सिद्धांत एक व्यक्ति, एक वोट है। और इसका मतलब यह है कि देश के संचालन में प्रत्येक भारतीय नागरिक की आवाज होनी चाहिए।

एटा में एक ही परिवार के चार सदस्यों की हत्या, पुलिस ने जांच शुरू की

एटा, 19 जनवरी। एटा जिला मुख्यालय के कोतवाली नगर क्षेत्र में सोमवार को कथित रूप से हमला करके एक ही परिवार की तीन महिलाओं समेत चार सदस्यों की हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार कोतवाली नगर थानाक्षेत्र के सुनहरी नगर नगला प्रेमी मोहल्ले में अज्ञात हत्यारों ने एक घर में घुसकर तीन महिलाओं समेत चार लोगों को ईंटों से कुचलकर मार डाला। वैसे यह घटना कब और कैसे हुई-- इसका रहस्य बना हुआ है। बाद में मौके पर सैकड़ों की संख्या में भीड़ जमा हो गई। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान गंगा सिंह (70), उनकी पत्नी श्यामा देवी (65) और उनकी बेटी ज्योति (23) तथा कमल सिंह की पत्नी रत्ना सिंह के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि हमले में रत्ना सिंह गंभीर रूप से घायल हो गई और एटा मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

स्थानीय निवासी अभिलाख सिंह ने बताया कि गंगा सिंह कैंसर से पीड़ित थे। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने पुलिस को इस घटना की सूचना दी। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) श्वेताभ पांडे ने बताया कि कई थानों की पुलिस टीम मौके पर पहुंचीं और इलाके को सुरक्षित कर लिया, जबकि फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए।

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हमलावरों ने ईंट से हमला कर वारदात को अंजाम दिया लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो पायेगी।

एएसपी ने बताया कि घटना स्थल के सीसीटीवी कैमरे के सहारे हत्यारों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परिजनों की तहरीर मिलने के बाद रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि हत्यारों की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित की गई हैं।

पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा। एएसपी के मुताबिक क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है एवं शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है।

राजधानी को सुरक्षा चाहिए, चुप्पी नहींः आतिशी

नई दिल्ली, 21 जनवरी। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता और दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राजधानी में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिंता व्यक्त की है और इस मामले पर चर्चा के लिए बैठक का अनुरोध किया है। पर एक पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा कि मैंने माननीय गृह मंत्री अमित शाह जी को पत्र लिखकर दिल्ली में तेजी से बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चर्चा के लिए समय मांगा है। हत्या, लूटपाट, गिरोहवार और गोलीबारी की लगातार घटनाओं से नागरिकों में भय का माहौल बन रहा है। दिल्ली को सुरक्षा चाहिए, चुप्पी नहीं!

राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास हुए बम धमाके का जिक्र करते हुए आम आदमी पार्टी नेता ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। अपने पत्र में आतिशी ने लिखा, दिल्ली में बढ़ते अपराध ने लोगों में डर का माहौल पैदा कर दिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के घर के पास एक आप कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई। ग्रेटर कैलाश में एक जिम के बाहर दिनदहाड़े हत्या हुई... लाल किले के पास हुए बम धमाके ने भी सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दिल्ली में कानून-व्यवस्था की स्थिति राष्ट्रीय प्रतिष्ठा और आंतरिक सुरक्षा का विषय है... कृपया मुझे बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा करने के लिए आपसे मिलने का समय दें।

इससे पहले 10 नवंबर 2025 को ऐतिहासिक लाल किले के पास एक कार विस्फोट में कई लोग मारे गए और अन्य घायल हो गए। आप ने आरोप लगाया है कि आमिर राशिद अली ने हमले में इस्तेमाल की गई हुंडई 20 कार की खरीद में मदद की थी, जिसे बाद में वाहन में रखे जाने वाले तात्कालिक विस्फोटक उपकरण में बदल दिया गया था।

एक अन्य आरोपी जसिर बिलाल वानी उर्फ दानिश पर आतंकी हमले की तैयारियों के तहत ड्रोन में बदलाव करने और रॉकेट बनाने की कोशिश करने सहित मॉड्यूल को तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने का आरोप है। एजेंसी ने बताया है कि जसिर ने उमर-उन-नबी के साथ मिलकर हमले की योजना बनाई थी।

जांच एजेंसी ने फोरेंसिक जांच से यह साबित कर दिया है कि पुलवामा जिले का निवासी और फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय के जनरल मेडिसिन विभाग में सहायक प्रोफेसर उमर-उन-नबी ही आईईडी से भरी कार का चालक था। जांचकताओं का कहना है कि यह हमला कई स्थानों पर सुनियोजित और समन्वित तरीके से किया गया था। विस्फोट के तुरंत बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यह मामला एनआईए को सौंप दिया था। एजेंसी ने कहा है कि वह आतंकी साजिश में शामिल हर व्यक्ति की पहचान करने, उस पर नजर रखने और उसे गिरफ्तार करने के लिए विभिन्न राज्य पुलिस बलों के साथ मिलकर काम कर रही है।

बीजेपी का डर खत्म, अब जनता उठा रही आवाज: अरविंद केजरीवाल

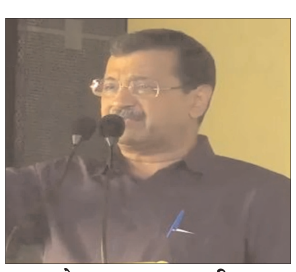

वडोदरा, 19 जनवरी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को गुजरात के वडोदरा में पार्टी बूथ कार्यकर्ताओं की भीड़ को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा के भय को दूर करते हुए खुलकर बोलने के लिए नागरिकों की सराहना की। भाजपा पिछले 30 वर्षों से गुजरात में सत्ता में थी। उन्होंने कहा कि कभी सबसे समृद्ध राज्य रहा गुजरात, भाजपा द्वारा तीन वर्षों में पूरी तरह से कंगाल कर दिया गया है। केजरीवाल ने कहा कि आज लोग अपनी आवाज उठा रहे हैं। लोगों के मन से धीरे-धीरे भय दूर हो रहा है। मुझे बहुत खुशी है कि लोग धीरे-धीरे खड़े हो रहे हैं।

एक समय था जब गुजरात देश का सबसे समृद्ध राज्य माना जाता था। उस समय गुजरात के लोग समृद्ध थे। आज, तीन वर्षों के भीतर, भाजपा ने सब कुछ लूट लिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हद्दाद गांव में चल रहे विरोध प्रदर्शन में शांतिपूर्ण आंदोलन करने के बावजूद कई किसानों को गिरफ्तार किया गया। बोटाद के हद्दाद गांव में तीन महीने से चल रहे किसान विरोध प्रदर्शन में गुजरात सरकार ने 85 किसानों को गिरफ्तार किया है। ये गरीब किसान थे। वे किसानों की 'कढ़ा प्रथा' के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। वे न्याय और किसानों के अधिकारों की मांग कर रहे थे। वे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने हमारे राजू करपाड़ा और प्रवीण राम को भी गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने हमारे नेताओं और गरीब किसानों को जेल में डाल दिया है।

चुनाव फायदे के लिए हिंदुओं और मुसलमानों को बांटा जा रहा है: फारूक अब्दुल्ला

कश्मीर। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को देश में धार्मिक ध्रुवीकरण बढ़ने का दावा किया और आरोप लगाया कि चुनावी फायदे के लिए नफरत की राजनीति को बढ़ावा दिया जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां पार्टी के एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर की जनता ने 1947 में पाकिस्तान के बजाय भारत को चुना था और वह लगातार पड़ोसी देश के खिलाफ खड़ी रही है, जो अब भी क्षेत्र में अशांति फैलाने की कोशिश करता रहता है। बॉलीवुड से काम कम मिलने और इसे सांप्रदायिक मुद्दे से जोड़ने संबंधी संगीतकार ए. आर. रहमान की हालिया टिप्पणी पर उठे विवाद के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में देश में नफरत की आग भड़काई गई है।

बंगाल में लोकतंत्र, विकास और अस्मिता की निर्णायक परीक्षा-घड़ी

-ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रही है, जहां सत्ता, संघर्ष, कानून और जनभावना-चारों धाराएं एक-दूसरे से टकराती हुई दिखाई देती हैं। यह टकराव केवल भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई भर नहीं है, बल्कि यह उस शासन शैली, लोकतांत्रिक मयार्दा और विकास दृष्टि की भी परीक्षा है, जिसके आधार पर बंगाल अपनी आने वाली राजनीतिक दिशा तय करेगा। लंबे समय तक ह्लखेला होगाह्ल के नारे के सहारे भाजपा को रोकने में सफल रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सामने इस बार परिस्थितियां अपेक्षाकृत अधिक जटिल, चुनौतीपूर्ण और बहुआयामी नजर आ रही हैं। आज समूचे देश की नजरे पश्चिम बंगाल पर टिकी है। वहां आगामी विधानसभा काफी रोमांचक एवं निर्णायक होगा, जिसमें पश्चिम बंगाल का नया भविष्य बुनने की दिशाएं उद्घाटित होगी।

एक ओर केंद्र और राज्य के बीच टकराव अपने चरम पर है, तो दूसरी ओर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई, अदालती टिप्पणियां और कानूनी बहसें राजनीतिक विमर्श को नियंत्रित कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों ने केवल एक कानूनी प्रश्न ही नहीं उठाया, बल्कि यह संकेत भी दिया कि राज्य सरकारों द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसियों के कामकाज में हस्तक्षेप की सीमाएं कहां तक हो सकती हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने ममता बनर्जी की उस राजनीतिक छवि को आंशिक रूप से प्रभावित किया है, जो अब तक स्वयं को केंद्र के कथित दमन के विरुद्ध संघीय ढांचे की रक्षक के रूप में प्रस्तुत करती रही हैं। अदालतों में लंबी चलने वाली कानूनी लड़ाइयों का राजनीतिक प्रभाव तुरंत और गहरा होता है, विशेषकर तब, जब चुनाव नजदीक हों और जनता का ध्यान प्रशासनिक उपलब्धियों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप पर केंद्रित होने लगे। बंगाल की राजनीति की एक विशिष्ट विशेषता यह रही है कि यहां विचारधारा और भावनाएं अत्यंत तीव्र रूप से अभिव्यक्त होती हैं। वाम मोर्चे के लंबे शासन के बाद ममता बनर्जी का उदय एक जनांदोलन के रूप में हुआ था। उन्होंने न केवल वामपंथी वर्चस्व को तोड़ा, बल्कि खुद को गरीब, हाशिए के वर्ग और क्षेत्रीय अस्मिता की आवाज के रूप में स्थापित किया। शुरूआती वर्षों में उनकी सरकार ने कुछ कल्याणकारी योजनाओं और सशक्त राजनीतिक संप्रेषण के माध्यम से जनता का विश्वास भी अर्जित किया। किंतु समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, संगठन पर अत्यधिक नियंत्रण और विरोध के प्रति असहिष्णुता जैसे आरोप भी समानांतर रूप से उभरते गए।

भाजपा ने इन्हीं कमजोरियों को अपना राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश की है। 2019 के लोकसभा चुनावों से लेकर अब तक भाजपा ने बंगाल में अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया है और हिंदुत्व, राष्ट्रवाद तथा भ्रष्टाचार विरोधी विमर्श को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। हालांकि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से वापसी की, लेकिन यह भी सच है कि भाजपा बंगाल की राजनीति में एक स्थायी

और निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुकी है। मत प्रतिशत में अंतर और सीटों का आंकड़ा भाजपा के लिए भले ही निराशाजनक रहा हो, पर संगठनात्मक विस्तार और सामाजिक आधार का विस्तार उसके लिए भविष्य की संभावनाओं के द्वार खोलता है। हाल के वर्षों में बंगाल में विकास का प्रश्न अपेक्षाकृत पीछे छूटता दिखाई दिया है। उद्योग, निवेश और रोजगार के मुद्दे राजनीतिक शोर में दब गए हैं। आम जनता की एक बड़ी चिंता यह भी है कि राज्य की राजनीति निरंतर टकराव और हिंसा के आरोपों से क्यों घिरी रहती है। चुनावी हिंसा, राजनीतिक कार्यकताओं पर हमले और प्रशासन की निष्पक्षता पर उठते सवाल राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। पड़ोसी देशों से अवैध घुसपैठ, सीमावर्ती इलाकों में जनसांख्यिकीय बदलाव और कानून-व्यवस्था की चुनौतियां भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन चुकी हैं। इन मुद्दों पर ममता सरकार का रुख अक्सर रक्षात्मक दिखाई देता है, जबकि भाजपा इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक पहचान से जोड़कर व्यापक समर्थन जुटाने का प्रयास करती है।

महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनावों और बिहार में भाजपा को मिली हालिया सफलता ने पार्टी के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से बढ़ाया है। भाजपा का यह विश्वास कि बंगाल अब भी राजनीतिक परिवर्तन के लिए तैयार है, केवल चुनावी आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि वह इसे एक लंबी रणनीति का हिस्सा मानती है। किंतु बंगाल कोई साधारण राजनीतिक मैदान नहीं है। यहां की सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक स्मृति किसी भी दल के लिए आसान नहीं रही है। ममता बनर्जी की सबसे बड़ी ताकत आज भी उनकी जमीनी पकड़ और भावनात्मक अपील है, जो उन्हें भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से अलग, एक क्षेत्रीय और स्थानीय नेता के रूप में स्थापित करती है। आने वाले विधानसभा चुनाव वास्तव में इस बात की कसौटी होंगे कि जनता विकास, स्थिरता और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देती है या फिर भावनात्मक और पहचान आधारित राजनीति को? क्या ममता बनर्जी लगातार चौथी बार सत्ता में लौटकर यह सिद्ध कर पाएंगी कि केंद्र से टकराव ही उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी है, या भाजपा जनता को यह विश्वास दिलाने में सफल होगी कि परिवर्तन ही स्थायित्व और विकास का रास्ता है, यह प्रश्न अभी खुला हुआ है। अदालती प्रक्रियाएं, राजनीतिक बयानबाजी और चुनावी रणनीतियां अपनी जगह हैं, लेकिन अंतिम निर्णय बंगाल की जनता के हाथ में है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति आज संकीर्णता और सांप्रदायिक ध्रूवीकरण के ऐसे दौर से गुजर रही है, जिसने विकास की गति को गंभीर रूप से अवरुद्ध किया है। कभी देश की आर्थिक, औद्योगिक और बौद्धिक राजधानी कहलाने वाला बंगाल-विशेषकर कोलकाता, आज निवेश, उद्योग और रोजगार के मोर्चे पर पिछड़ता हुआ दिखाई देता है। ममता बनर्जी के लंबे शासनकाल में औद्योगिक विश्वास का क्षरण, पूंजी पलायन, बंद होती इकाइयाँ और युवाओं का अन्य राज्यों की ओर पलायन इस गिरावट के स्पष्ट संकेत हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर उठते प्रश्न, विपक्षी आवाजों का दमन और चुनावी हिंसा की घटनाएँ राज्य के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य पर गहरी चोट करती हैं। इसके साथ ही, राज्य में सामाजिक ताने-बाने को लेकर बढ़ती आशंकाएँ भी कम चिंताजनक नहीं हैं। अनेक क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था, धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक संबंधों को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं; विशेषकर हिंदू समाज के एक हिस्से में असुरक्षा की भावना ने जनमन को आहत किया है। इन घटनाओं और धारणाओं ने जनता के भरोसे को कमजोर किया है और शासन के प्रति निराशा को बढ़ाया है। राजनीति जब पहचान और विभाजन के इर्द-गिर्द सिमटती है, तो विकास, समावेशन और सामाजिक सौहार्द पीछे छूट जाते हैं, यही आज के बंगाल की त्रासदी बनती दिख रही है। ऐसे समय में बंगाल की जनता के लिए अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति सजग होना अनिवार्य है। यह राज्य केवल भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि उसकी अस्मिता उसकी बौद्धिक परंपरा, भावनात्मक संवेदनशीलता, धार्मिक सहअस्तित्व, आध्यात्मिक खोज और समृद्ध साहित्यिक विरासत से निर्मित है-रवींद्रनाथ से विवेकानंद तक की धरोहर इसे दिशा देती रही है। दंगों, हिंसा और भय के साए में इस अस्मिता पर जो दाग लगे हैं, उन्हें मिटाने का मार्ग शांतिपूर्ण, जागरूक और निर्भीक लोकतांत्रिक सहभागिता से ही निकलेगा। आगामी चुनाव जनता के लिए आत्ममंथन और आत्मनिर्णय का अवसर हैं-जहाँ मत केवल सत्ता नहीं, बल्कि बंगाल के भविष्य, उसकी संस्कृति और उसके लोकतांत्रिक आत्मसम्मान की रक्षा का माध्यम बनना चाहिए। बंगाल की बनती नई तस्वीर अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। यह तस्वीर संघर्ष और संभावनाओं, आशंकाओं और उम्मीदों से बनी है। एक ओर सत्ता का अनुभव और जनाधार है, तो दूसरी ओर आक्रामक विपक्ष और राष्ट्रीय राजनीति की ताकत। लोकतंत्र की यही खूबी है कि वह अंतिम शब्द जनता को देता है। बंगाल के मतदाता ही तय करेंगे कि शह-मात की इस राजनीति में अगली चाल किसकी होगी और कौन-सा पक्ष अंततः बाजी मारेगा।

भारत सचमुच अपने फैसले स्वयं ले रहा

-प्रियंका सौरभ

किसी भी राष्ट्र की मजबूती उसके सैन्य बजट, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दिए गए भाषणों या विदेशी नेताओं के साथ खिंचवाई गई तस्वीरों से नहीं मापी जाती। असली ताकत इस बात में निहित होती है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप कितनी स्वतंत्रता से निर्णय ले पाता है। भारत आज खुद को मजबूत राष्ट्र, विश्वगुरु और उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, पर मूल प्रश्न यही हैः क्या भारत सचमुच अपने फैसले स्वयं ले रहा है, या वैश्विक शक्तियों के संकेतों के अनुरूप अपने कदम समायोजित कर रहा है?

विदेश नीति किसी भी राष्ट्र के आत्मसम्मान और संप्रभुता का सबसे स्पष्ट दर्पण होती है, यहीं तय होता है कि वह किन देशों से मित्रता करेगा, किससे दूरी बनाए रखेगा, और किन शर्तों पर वैश्विक व्यवस्था में भागीदारी करेगा। भारत ने दशकों तक गुटनिरपेक्षता और बाद में रणनीतिक स्वायत्तता के नाम पर यही संदेश दिया कि वह किसी भी शक्ति-गुट का स्थायी अनुयायी नहीं, बल्कि अपने हितों के अनुसार साझेदारी करने वाला स्वतंत्र खिलाड़ी है। शीतयुद्ध के दौर में भारत ने अमेरिका और सोवियत संघ, दोनों से संबंध रखते हुए भी औपचारिक सैन्य गठबंधनों से दूरी बनाए रखी, इसी रुख ने नव-स्वतंत्र एशियाई और अफ्रीकी देशों के लिए उसे एक वैचारिक प्रेरणा बनाया। नई सदी में, खासकर पिछले कुछ वर्षों में, यह संतुलन पहले से कहीं अधिक दबाव में है—चाहे वह अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिद्वंद्विता हो या रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद की ध्रुवीकृत दुनिया। ईरान का चाबहार बंदरगाह भारत के लिए सिर्फ एक व्यापारिक ठिकाना नहीं, बल्कि पश्चिम एशिया, अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक सीधे पहुँच का वह द्वार था, जो पाकिस्तान को बायपास करते हुए चीन के ग्वादर और बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के दबद्बे को संतुलित कर सकता था। अमेरिकी प्रतिबंधों और फिर चाबहार पर से छूट हटने के बाद परियोजना पर भारतीय प्रतिबद्धता लगातार कमजोर पड़ती गई; हाल की रिपोर्टें यह संकेत देती हैं कि भारत पोर्ट पर अपनी दीर्घकालिक उपस्थिति को सीमित करने की दिशा में बढ़ चुका है। यहाँ असली सवाल तकनीकी नहीं, राजनीतिक हैः क्या भारत ने अपने दीर्घकालिक भू-रणनीतिक हितों को ध्यान में रखते हुए कोई स्वतंत्र स्टैंड लिया, या फिर वॉशिंगटन की नाराजगी के डर ने उसे व्यवहारिक विकल्पों से पीछे हटने पर मजबूर कर दिया?

रूस से रियायती दर पर कच्चा तेल खरीदना भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विवेक का प्रश्न है, न कि केवल कूटनीतिक जिद का। पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद भारत ने शुरूआती चरण में साफ संकेत दिया कि वह अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार ही ऊर्जा स्रोत चुनेगा, और इसी तर्क के तहत रूस से तेल आयातों में तेज उछाल भी देखा गया। समय के साथ अमेरिका और यूरोपीय देशों से आने वाले नैतिक उपदेश और अप्रत्यक्ष प्रतिबंधों के संकेतों ने अतिरिक्त दबाव बनाया, कुछ बड़े कॉर्पोरेट आयातकों ने रूसी तेल की खरीद घटाकर पश्चिम-समर्थक विकल्पों की ओर झुकाव दिखाया, भले ही कुल मिलाकर रूसी तेल आयात अभी भी ऊँचे बने हुए हों। मजबूत राष्ट्र वह होता है जो दूसरे देशों के इमेज मैनेजमेंट या नैरेटिव से नहीं, अपने नागरिकों के आर्थिक हितों और ऊर्जा सुरक्षा से संचालित हो—वरना रणनीतिक स्वायत्तता की जगह रणनीतिक संकोच ले लेता है।

सबसे खतरनाक प्रवृत्ति यह है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मिली तालियाँ और सुर्खियाँ, निर्णय-स्वायत्तता का विकल्प बनती जा रही हैं। विदेशी संसदों में दिए भाषण, वैश्विक मीडिया में छपी प्रशंसात्मक हेडलाइनें या किसी महाशक्ति की पीठ थपथपाहट को राष्ट्रीय सम्मान का प्रमाणपत्र बनाकर पेश किया जा रहा है, जबकि हालिया इतिहास इराक, लीबिया और अफगानिस्तान जैसे उदाहरणों से भरा है कि बाहरी समर्थन कितनी जल्दी दिशा बदल लेता है। सैन्य और सुरक्षा संबंधी निर्णय किसी भी लोकतंत्र की संप्रभुता की अंतिम रेखा होते हैं, यदि यहाँ भी किसी और की स्वीकृतिह्व या वैश्विक संदेश की चिंता हावी हो जाए, तो यह केवल नीति नहीं, स्वतंत्रता पर प्रश्नचिह्न है।

ऐसे समय में लोकतांत्रिक समाज की असली परीक्षा यह है कि क्या वह विदेश नीति और सुरक्षा रणनीति पर आलोचनात्मक सवाल पूछने वालों को देशद्रोही ठहराए बिना बहस की जगह दे सकता है। लोकतंत्र में असहमति कमजोरी नहीं, बल्कि लोक-नियंत्रण की बुनियादी शर्त है; देशभक्ति का अर्थ सत्ता से सहमति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित के लिए सच बोलने का साहस है।

आत्मनिर्भर भारत की सच्ची कसौटी यह नहीं कि कितने मोबाइल या कारें देश में बन रही हैं, बल्कि यह है कि भारत अपनी विदेश नीति, ऊर्जा विकल्पों और रणनीतिक साझेदारियों पर कितना स्वतंत्र निर्णय ले पाता है। भारत आज एक चौराहे पर खड़ा हैः एक रास्ता उसे उस मुकाम तक ले जा सकता है जहाँ वह अमेरिका, रूस, चीन और यूरोप सभी से संबंध रखे, पर किसी के आगे झुके नहीं, दूसरा रास्ता उसे एक प्रभावशाली, पर आश्रित सहयोगी में बदल सकता है, जो हर बड़े निर्णय से पहले वॉशिंगटन या किसी और राजधानी की प्रतिक्रिया का इंतजार करे। मजबूत राष्ट्र वही है जो तालियाँ बटोरने की जगह अपना स्टैंड बचाकर चलता है; आने वाले वर्षों में भारत की असली परीक्षा यही होगी कि वह प्रबंधित सहयोगी बनना चुनता है या सचमुच एक संप्रभु, आत्मविश्वासी शक्ति के रूप में खड़ा होता है।

> **किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए रणनीतिक स्वायत्तता केवल विदेश नीति की तकनीकी भाषा नहीं, बल्कि अस्तित्व का प्रश्न है। जब बड़े फैसले बाहरी दबाव, प्रतिबंधों के डर या वैश्विक छवि सँवारने की चिंता से लिए जाते हैं, तो राष्ट्र धीरे-धीरे नीति-निमार्ता से ज्यादा प्रबंधित सहयोगी बन जाता है। सचमुच मजबूत भारत वह होगा, जो अमेरिका, रूस, चीन और यूरोप—सभी से संवाद रखे, पर अपने हितों पर अंतिम निर्णय स्वयं ले। तालियाँ, सुर्खियाँ और फोटो-ऑप्स क्षणिक हैं; लेकिन राष्ट्रीय हित के पक्ष में लिया गया स्वतंत्र स्टैंड ही किसी देश की दीर्घकालिक गरिमा तय करता है।**

मनुष्य जल, जन, जमीन, जगत, जंतु एवं जानवरों का भस्मासुर बन बैठा

आज मानव-समाज प्रगति के नाम पर प्रकृति का ऐसा विनाश कर रहा है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए विनाशकारी परिणाम छोड़ रहा है। जंगल, पहाड़ और खनिज-ये पृथ्वी के मूल स्तंभ हैं, जिनके अस्तित्व पर मनुष्य की स्वार्थी नजर ने भारी दोहन किया है। परिणामस्वरूप जानवर अपनी प्राकृतिक आवास खो रहे हैं, अस्तित्व संघर्ष कर रहे हैं और कई प्रजातियाँ धीरे-धीरे विलुप्ति की ओर जा रही हैं।

विश्व स्तर पर जंगलों का विनाश निरंतर बढ़ रहा है। उष्णकटिबंधीय जंगलों का न सिर्फ. बड़े पैमाने पर कटान हो रहा है, बल्कि उनके पर्यावरणीय कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। 2023 में अकेले लगभग 37 लाख हेक्टेयर उष्णकटिबंधीय जंगल नष्ट हो गए-जो आकार में लगभग भूटान के बराबर है। विश्व की कुल भूमि का लगभग 31% हिस्सा जंगलों से ढका हुआ है, लेकिन पिछले दशकों में हमने लगभग 178 मिलियन हेक्टेयर से अधिक वन क्षेत्र गंवा दिया है- लगभग 10 मिलियन हेक्टेयर प्रतिवर्ष। इस विनाश से रहने योग्य आवास, जैव वैविध्य और जलवायु संतुलन प्रभावित हो रहे हैं।

भारत में भी स्थिति चिंताजनक है। 2015 से 2020 तक भारत ने लगभग 6,68,400 हेक्टेयर जंगल खो दिया-यह आंकड़ा दुनिया में ब्राजील के बाद दूसरा सबसे बड़ा है। खनिज और धातुओं के बढ़ते दोहन के कारण जंगलों को नष्ट करने की प्रक्रिया और तेज हो गई है। 2001 से 2020 के बीच वैश्विक स्तर पर खनन से लगभग 1.4 मिलियन हेक्टेयर वन क्षेत्र नष्ट हुआ-जो लगभग डेनमार्क के एक-तिहाई क्षेत्र के बराबर है।

इनमें से लगभग 450,000 हेक्टेयर प्राथमिक उष्णकटिबंधीय वर्षावन में, लगभग 150,000 हेक्टेयर संरक्षित क्षेत्रों में और लगभग 260,000 हेक्टेयर आदिवासी एवं स्थानीय समुदायों की जमीन पर था ।वन्यजीव और जैव विविधता इन जंगलों पर निर्भर हैं-वहीं जंगल कटने से उनकी संख्याएँ तीव्रता से गिर रही हैं। वैश्विक स्तर पर लगभग 50,000 प्रजातियाँ प्रतिवर्ष विलुप्ति के कगार पर पहुँच रही हैं, और अनुमान है कि अगर यह गति जारी रही तो लगभग 28,000 से अधिक प्रजातियाँ आने वाले 25 वर्षों में विलुप्त हो सकती हैं। भारत में भी औपचारिक वैज्ञानिक जाँच से पता चला है कि जंगली प्रक्षेत्रीय वन व जन्तुओं की संख्या पिछले कुछ वर्षों में लगभग 25% घट गई है, जिसका मुख्य कारण जंगलों का सिकुड़ना और मानव-वन्यजीव संघर्ष है।

इस विनाश की प्रक्रिया में इंसान स्वयं ही अपने लालच के लिए जंगलों और संसाधनों का दोहन करता है-पेड़ काटता है, पहाड़ खोदता है, खनिज निकालता है। लेकिन यह सब प्राकृतिक संतुलन को बुरी तरह बिगाड़ रहा है। वन्यजीव अपने रहवास खोते हैं, भोजन के लिए संघर्ष करते हैं, और धीरे-धीरे मानव बस्तियों की ओर आते हुए संघर्ष की स्थिति में फँस जाते हैं-जिससे उनके जीवन पर और भी बड़ा खतरा पैदा होता है। आज की तस्वीर स्पष्ट है-हम जिस धरती को अपनी माँ कहते हैं, उसी को अपने स्वार्थ की भेंट चढ़ा रहे हैं। जंगलों का विनाश, खनिजों की निकासी और जानवरों का बेघर होना केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं है, बल्कि मानवता और सभ्यता के अस्तित्व पर एक बड़ा प्रश्न खड़ा करता है। आज पृथ्वी पर सबसे बड़ा संकट जलवायु परिवर्तन या प्राकृतिक आपदाएँ नहीं, बल्कि मनुष्य की वह मानसिकता है जिसने उसे संवेदनहीन और स्वार्थांध बना दिया है। यह विडंबना ही है कि स्वयं को सबसे बुद्धिमान प्राणी मानने वाला मनुष्य आज ऐसा व्यवहार कर रहा है, जो पशुता को भी पीछे छोड़ देता है।

वैज्ञानिक तथ्य स्पष्ट हैं- इस धरती पर मनुष्य से पहले जानवरों का अस्तित्व था। जंगल, पर्वत, नदियाँ और खुले आकाश पर उनका पहला अधिकार था। मनुष्य बाद में आया, किंतु आते ही उसने स्वयं को स्वामी और अन्य सभी जीवों को मात्र संसाधन मान लिया। यही सोच आज इस ग्रह को विनाश की ओर ले जा रही है।

विकास और प्रगति के नाम पर जंगलों का अंधाधुंध कटान किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप जानवरों के प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहे हैं और वे भोजन व आश्रय की तलाश में मानव बस्तियों की ओर आने को विवश हैं। विडंबना यह है कि जिस संकट को मनुष्य ने स्वयं जन्म दिया, उसी के लिए वह जानवरों को दोषी ठहराने लगता है। कभी उन्हें 'खतरा' कहा जाता है, तो कभी 'आतंकी'। आज हाथी रेल पटरियों पर मारे जा रहे हैं, पक्षी मोबाइल टावरों और प्रदूषण का शिकार बन रहे हैं, समुद्री जीव प्लास्टिक निगलने को मजबूर हैं। जानवर अपने ही घर में बेघर और असहाय बना दिए गए हैं। यह केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि नैतिक पतन का स्पष्ट प्रमाण है।

मनुष्य और जानवर के व्यवहार की तुलना की जाए तो अंतर और भी स्पष्ट हो जाता है। जानवर अपनी आवश्यकता भर शिकार करता है, जबकि मनुष्य लालच और संग्रह के लिए प्रकृति का दोहन करता है। जानवर संतुलन बनाए रखता है, मनुष्य उसे नष्ट करता है। फिर भी मनुष्य स्वयं को सभ्य और जानवर को असभ्य कहता है-यह आत्ममुग्धता ही सबसे बड़ा खतरा है।

भारतीय संस्कृति में पशु-पक्षियों को केवल जीव नहीं, बल्कि सहचर और पूज्य के रूप में देखा गया है। नंदी, गरुड़, नाग और वानर जैसे प्रतीक इस बात के साक्ष्य हैं कि हमारी परंपरा सहअस्तित्व पर आधारित रही है। किंतु आधुनिक मनुष्य ने सुविधा और उपभोग को ही अपना धर्म बना लिया है ।आज आवश्यकता इस बात की है कि हम विकास की परिभाषा पर पुनर्विचार करें। सच्चा विकास वही है जिसमें मनुष्य के साथ-साथ अन्य जीवों का भी जीवन सुरक्षित रहे। करुणा कोई कमजोरी नहीं, बल्कि सर्वोच्च बुद्धिमत्ता है। यदि मनुष्य ने समय रहते अपने दृष्टिकोण में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियाँ यह कहने को विवश होंगी कि पृथ्वी पर सबसे खतरनाक प्राणी कोई और नहीं, बल्कि स्वयं मनुष्य था।

समस्या केवल प्रकृति विनाश का नहीं, बल्कि चेतना का भी है-जब तक हम प्रकृति को अपना नहीं मानेंगे, यह विनाश जारी रहेगा और हमारी आने वाली पीढ़ियाँ इसके गंभीर परिणाम भुगतेंगी। विकास का अर्थ विनाश नहीं हो सकता। करुणा ही वास्तविक बुद्धिमत्ता है। जब तक मनुष्य जानवरों को अपने बराबर का जीवन नहीं मानेगा, तब तक वह स्वयं भी पूर्ण मनुष्य नहीं बन पाएगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि मनुष्य अपने भीतर झाँके और यह प्रश्न पूछे-क्या मैं सचमुच मनुष्य हूँ, या केवल एक ऐसा जानवर जिसने बोलना और निर्माण करना सीख लिया है, पर संवेदना खो दी है ?जिस दिन मनुष्य जानवरों के दर्द को अपना दर्द समझेगा, उसी दिन वह पुनः मनुष्य कहलाने योग्य होगा। अन्यथा इतिहास यही लिखेगा कि पृथ्वी पर सबसे खतरनाक जीव कोई और नहीं, बल्कि मनुष्य स्वयं था।

- सुरेश सिंह बैस शाश्वत

संभावनाओं के राजमार्ग में बदलती मध्यप्रदेश की सड़कें

एक समय था जब मध्यप्रदेश की पहचान धूल, गड्ढों और टूटी-फूटी सड़कों से होती थी। सड़कें विकास की वाहक नहीं, बल्कि प्रगति के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा मानी जाती थीं। उस दौर में न केवल भौतिक दूरी अधिक थी, बल्कि आर्थिक संभावनाएं भी सिमटी हुई थीं। उद्योग, निवेश और आधुनिक सोच तीनों ही खराब कनेक्टिविटी के कारण प्रदेश से दूरी बनाए रखते थे,लेकिन पिछले दो दशकों में मध्य प्रदेश ने इस अभिशाप से बाहर निकलने का कठिन परंतु निर्णायक सफर तय किया है। कच्चे रास्तों से पक्की सड़कों और संकरी गलियों से चौड़े राजमार्गों तक की यह यात्रा राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक संकल्प और दूरदर्शी नीति का परिणाम है।

आज मध्यप्रदेश में केवल सड़कों का होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि विश्वस्तरीय अधोसंरचना, उच्च गतिशीलता और भविष्य की सोच है। इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में विदिशा और आसपास के क्षेत्रों में 4,400 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं लोकार्पित और शिलान्यास की गई हैं, जो साधारण निर्माण नहीं, बल्कि प्रदेश की आर्थिक धमनियों के आधुनिकीकरण का सुनियोजित प्रयास हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का विजन इस तथ्य को स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है कि मध्य प्रदेश अब अपनी लैंडलॉक्ड भौगोलिक स्थिति को कमजोरी नहीं, बल्कि एक रणनीतिक अवसर के रूप में देख रहा है। उनका लक्ष्य प्रदेश को देश के भीतर एक सशक्त लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी हब के रूप में स्थापित करना है, जहाँ से उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम की आर्थिक धाराएं सहजता से प्रवाहित हो सकें। विदिशा, सागर, रायसेन, उज्जैन जैसे सामरिक और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों को जोड़ने वाले 181 किलोमीटर लंबे ये राजमार्ग इसी दूरदृष्टि का मूर्त रूप हैं। वास्तव में किसी भी राज्य की प्रगति का आकलन केवल उसके बजट आकार या योजनाओं की संख्या से नहीं, बल्कि उसकी सड़कों की चौड़ाई, गुणवत्ता और नेटवर्क की विश्वसनीयता से किया जाता है। ये राजमार्ग केवल भौतिक दूरी को कम नहीं करते, बल्कि समय, लागत और असमानता, तीनों को घटाते हैं। बुंदेलखंड और मध्य भारत का वह भूगोल, जो वर्षों तक आधुनिक परिवहन के अभाव में अपनी आर्थिक क्षमता को साकार नहीं कर सका, अब एक नई ऊर्जा के साथ पुनर्जीवित हो रहा है। भोपाल-विदिशा-सागर जैसे मार्गों के चौड़ीकरण से केवल वाहनों की गति नहीं बढ़ी, बल्कि कृषि, लघु उद्योग, व्यापारिक गलियारों और सांस्कृतिक पर्यटन के समूचे पारिस्थितिकी तंत्र को भी गति मिली है।

मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालने के बाद डॉ. मोहन यादव ने जिस गंभीरता से अधोसंरचना को अपनी शीर्ष प्राथमिकताओं में स्थान दिया, वह इस सच्चाई की स्वीकारोक्ति है कि मजबूत सड़कें ही मजबूत अर्थव्यवस्था की आधारशिला होती हैं। बिना भरोसेमंद कनेक्टिविटी के न तो बड़े निवेश को आकर्षित किया जा सकता है और न ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को स्थायी मजबूती दी जा सकती है। इस विकास मॉडल की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें मानवीय सुरक्षा और कौशल विकास को भी समान महत्व दिया गया है। अक्सर देखा जाता है कि बड़ी परियोजनाओं के शोर में सड़क सुरक्षा, प्रशिक्षण और मानवीय संवेदनाएं पीछे छूट जाती हैं किंतु विदिशा में इंटीग्रेटेड ट्रैफिक सेंटर और अत्याधुनिक ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर की आधारशिला यह प्रमाणित करती है कि मोहन यादव सरकार का दृष्टिकोण समग्र और संतुलित है। सरकार केवल डामर और कंक्रीट नहीं बिछा रही, बल्कि एक अनुशासित, जिम्मेदार और सुरक्षित ड्राइविंग संस्कृति की नींव रख रही है। यह प्रशासनिक परिपक्वता का ही परिचय है कि जहाँ एक ओर उच्च स्तरीय सड़कें बन रही हैं, वहीं उन्हें उपयोग करने वाला मानव संसाधन भी उतना ही प्रशिक्षित और संवेदनशील बनाया जा रहा है। इसका प्रत्यक्ष लाभ भविष्य में सड़क दुर्घटनाओं में कमी के रूप में दिखेगा, वहीं अप्रत्यक्ष रूप से यह हजारों युवाओं के लिए परिवहन, लॉजिस्टिक्स और भारी वाहन संचालन के क्षेत्र में सम्मानजनक रोजगार के अवसर भी सृजित करेगा। यह निवेश केवल इंफ्रास्ट्रक्चर में नहीं, बल्कि मानव जीवन और युवा भविष्य में किया गया निवेश है। आर्थिक दृष्टि से देखें तो ये राजमार्ग मध्य प्रदेश को राष्ट्रीय और वैश्विक निवेश मानचित्र पर एक अधिक प्रतिस्पर्धी राज्य के रूप में स्थापित करने की क्षमता रखते हैं। सागर वेस्टर्न बायपास जैसी ग्रीनफील्ड परियोजनाएं शहरी क्षेत्रों में यातायात के दबाव को कम करने के साथ-साथ माल परिवहन की लागत और समय में उल्लेखनीय कमी लाएंगी। इसका सीधा लाभ उद्योगों, व्यापारियों और अंततः उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा। उद्योग जगत हमेशा उन्हीं क्षेत्रों को प्राथमिकता देता है, जहाँ लॉजिस्टिक्स सहज हो और परिवहन निर्बाध। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की नीतियां मध्य प्रदेश को ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिहाज से एक भरोसेमंद गंतव्य बनाने की दिशा में निर्णायक आधार तैयार कर रही हैं। इन सड़कों का प्रभाव कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी उतना ही गहरा है। कृषि प्रधान राज्य मध्य प्रदेश में किसान की समृद्धि सीधे उसकी बाजार तक पहुंच से जुड़ी होती है। देहगांव से लखनौनी जैसे मार्गों का सुदृढ़ीकरण उन किसानों के लिए संजीवनी है, जो अब तक परिवहन की लागत और समय के बोझ से जूझते रहे हैं। जब गांव की सड़क सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ती है, तो किसान को केवल रास्ता नहीं मिलता, बल्कि उचित मूल्य और सम्मानजनक बाजार भी मिलता है। मुख्यमंत्री का यह विश्वास कि कृषि की उन्नति अच्छी सड़कों से होकर जाती है, उनके ग्रामीण विकास के प्रति प्रतिबद्ध दृष्टिकोण को दशार्ता है। पर्यटन के क्षेत्र में भी यह सड़क नेटवर्क मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को नई पहचान देने वाला है। सांची, विदिशा, उज्जैन जैसे ऐतिहासिक केंद्र सुगम कनेक्टिविटी के साथ एक बड़े पर्यटन सर्किट के रूप में उभर सकते हैं। बेहतर सड़कें पर्यटकों की यात्रा को सुंदर और सुखद बनाती हैं और स्थानीय रोजगार, हस्तशिल्प व पारंपरिक उद्योगों को नई ऊर्जा देती हैं। इस समूचे परिदृश्य में केंद्र और राज्य सरकार के बीच सशक्त समन्वय भी उल्लेखनीय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यापक विजन और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की कार्यकुशलता को प्रदेश की जमीन पर प्रभावी रूप से उतारने का कार्य मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कर रहे हैं। यही डबल इंजन का वास्तविक अर्थ है जहाँ नीति, संसाधन और क्रियान्वयन एक दिशा में अग्रसर हों। सड़कें केवल पत्थर, गिट्टी और डामर का ढांचा नहीं होतीं। वे किसी राज्य की गति, समाज की आकांक्षाओं और भविष्य के आत्मविश्वास का प्रतिबिंब होती हैं। विदिशा से निकलकर प्रदेश के दूरस्थ अंचलों तक फैलता यह राजमार्ग नेटवर्क मध्य प्रदेश के उस संकल्प का साक्ष्य है, जिसमें विकास का अंतिम उद्देश्य केवल आंकड़े नहीं, बल्कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन में ठोस परिवर्तन लाना है। आज जब ये चौड़ी, सुरक्षित और आधुनिक सड़कें आकार ले रही हैं, तो स्पष्ट दिखता है कि मध्य प्रदेश केवल रास्ते नहीं बदल रहा वह अपना भविष्य गढ़ रहा है। ये सड़कें वास्तव में संभावनाओं के राजमार्ग हैं, जिन पर चलकर मध्य प्रदेश एक सुरक्षित, समृद्ध, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से भरे राज्य के रूप में आगे बढ़ रहा है।

(पवन वर्मा-विनायक फीचर्स)

> **पिछली सदी के आखिरी दशक तक, जब तक सोवियत संघ अस्तित्व में रहा, कम से कम दुनिया के कमजोर और साधनहीन देशों को उम्मीद रहती थी कि अगर अमेरिका ने उनकी ओर आंख तरेरी तो सोवियत संघ का साथ मिलेगा और अगर सोवियत संघ ने निगाहें तीखी कीं तो अमेरिका उसकी मदद करने पहुंचेगा।**

अंबरग्रीस बेचने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार तुलिंज पुलिस अपराध जांच टीम की कार्रवाई

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व में विगत 17/01/2026 को तुलिंज पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा के सहायक पुलिस निरीक्षक सुनील पवार को गोपनीय सूचना मिली कि एक व्यक्ति 90 फीट रोड, प्रगति नगर, नालासोपारा पूर्व में सरकार द्वारा प्रतिबंधित व्हेल की उल्टी बेचने आ रहा है। तदनुसार, अपराध जांच शाखा के अधिकारियों और अनमलदार ने 90 फीट रोड, प्रगति नगर, नालासोपारा पूर्व में जाल बिछाया और आरोपी कादर गफर करगशरा, उम्र 52 वर्ष, निवासी कमरा नंबर 3 स्टार अपार्टमेंट, तालुका जवाहर, जिला पालघर की तलाशी ली। उसके पास से 1 किलो 858 ग्राम काले-पीले रंग की मोम जैसी व्हेल की उल्टी (अंबरग्रीस) बरामद हुई, जिसकी कीमत 1,85,80,000 रुपये बताई जा रही है। तुलिंज पुलिस स्टेशन ने उक्त आरोपी के खिलाफ सरकार द्वारा प्रतिबंधित व्हेल की उल्टी को बिक्री के लिए रखने का मामला दर्ज किया है। 42/2026 वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 2, 39, 44, 48 (क), 49 (ख), 51, 57 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी किशोर महादेव तपसले, उम्र 39 वर्ष, जो राम मंदिर के पास कमरा नंबर 703, ठाणे पश्चिम, जिला ठाणे में रहता है, उसके कब्जे से व्हेल की उल्टी बरामद की गई है। जांच में पता चला है कि दोनों आरोपियों को ग्लोरिया कासरवडवली का लाभ दिया गया था।

उपरोक्त कार्य मा, द्वारा श्रीमती पूर्णिमा चौगुले श्रृंगी, पुलिस उपायुक्त, परिक्षेत्र-2 वसई, उमेश माने पाटिल, सहायक पुलिस आयुक्त, तुलिंज डिवीजन, तुलिंज पुलिस स्टेशन, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय जाधव, पुलिस निरीक्षक अपराध बालासाहेब बनकर, पुलिस निरीक्षक (प्रशासन) आनंद पेंडणेकर, अपराध जांच शाखा के सहायक पुलिस निरीक्षक सुनील पवार, पोहवा अशपाक जमादार, पांडुरंग केंद्र, दिगंबर परजाने, श्रीधर कांबले, इस्माइल शाह चपरिबन, राहुल कदम, अक्षय झांझुरने, पोहवा शशिकांत पोटे, प्रसाद पालवे, प्रकाश दवने, अनिल सोनावणे, ज्योतिराज झांजे, ने किया कारवाई।

मीरा भायंदर का विकास राजमार्ग मेट्रो फरवरी में शुरू होगी, उम्मेद मॉल महिलाओं को सशक्त बनाएगा, महिला छात्रावास के लिए धनराशि स्वीकृत

◆उपमुख्यमंत्री ने सड़क निर्माण कार्यों के लिए 1200 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि को मंजूरी दी, निविदाएं अगले महीने जारी की जाएंगी मंत्री प्रताप सरनाईक ने यह जानकारी दी

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर शहर के समग्र विकास के लिए महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री और धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक ने आज मीरा भायंदर नगर निगम आयुक्त राधाबिनोद शर्मा और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इस बैठक में यातायात जाम से लेकर महिला सशक्तिकरण तक, शहर के 25 विभिन्न विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में चेना नदी वाटर फ्रंट रोड, शिवश्रुति मार्ग, खादी किनारा विकास, नया नगर निगम भवन, 51 फुट ऊंची विट्ठल प्रतिमा (जरीमारी झील), क्लस्टर योजना, स्वास्थ्य सेवाएं और संविदा कर्मचारियों को नगर निगम सेवा में शामिल करने पर विस्तृत चर्चा हुई। इसके साथ ही, मंत्री सरनाईक ने स्पष्ट किया कि मेट्रो -9 का पहला चरण फरवरी में नागरिकों की सेवा में आ जाएगा और मीरा भायंदर के लोगों का मेट्रो को लेकर इंतजार अब खत्म हो गया है। उमेद मॉल और महिला शक्ति को एक उचित बाजार मिलेगा, साथ ही महिला छात्रावास के लिए धनराशि भी स्वीकृत की जाएगी। आयुक्त को केंद्र और राज्य सरकारों से प्राप्त 50 करोड़ रुपये की निधि से शहर में एक

भव्य उमेद मॉल स्थापित करने का निर्देश दिया गया है, ताकि महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के लिए उचित बाजार उपलब्ध कराया जा सके। मंत्री सरनाईक ने स्पष्ट किया कि मीरा भायंदर शहर में महिलाओं के लिए एक छात्रावास स्थापित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा 50 करोड़ रुपये की निधि आवंटित की जाएगी और इसके लिए जल्द ही एक स्थल का चयन किया जाएगा। शहर को गड्ढों से मुक्त करने के लिए 1200 करोड़ रुपये की नई राशि। मीरा भायंदर शहर के विकास कार्यों के लिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा पहले ही 2300 करोड़ रुपये और सड़क मरम्मत के लिए 1400 करोड़ रुपये स्वीकृत किए जा चुके हैं। अब चुनाव आचार संहिता लागू होने से पहले उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा 1200 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि स्वीकृत की गई है और इसके लिए निविदा प्रक्रिया शीघ्र ही शुरू होगी। इस 1200 करोड़ रुपये की राशि से शहर की सड़कों के सीमेंट कंक्रीटीकरण को बढ़ावा मिलेगा और मंत्री सरनाईक ने अगले डेढ़ से दो वर्षों में पूरे शहर को गड्ढों से मुक्त करने का संकल्प व्यक्त किया है। मीरा भायंदर शहर वाई-फाई मुक्त होने जा रहा है। मीरा भायंदर शहर के पूरे क्षेत्र में बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (इडळ) आधार पर मुफ्त वाई-फाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए निविदा प्रक्रिया अगले 2-3 महीनों में पूरी हो जाएगी। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री सरनाईक ने कहा, मीरा भायंदर के जन प्रतिनिधि के रूप में, शहर को आधुनिक सुविधाओं से लैस करना मेरा कर्तव्य है। मैं विकास की इस यात्रा में किसी भी बाधा को नहीं आने दूंगा और सपनों का शहर मीरा भायंदर शहर साकार होगा। चुनाव से पहले किए गए वादे को पूरा करते हुए, अब हम शहर में हर महीने जनता दरबार का आयोजन करेंगे। इस पहल का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं को सीधे समझना और उनका मौके पर ही समाधान करना है। साथ ही, नगर प्रशासन के कार्यों में तेजी लाने के लिए हर महीने आयुक्त स्तर पर समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। यह मेरी जिम्मेदारी है कि मीरा भायंदर शहर का विकास किसी भी कारण से न रुके और मैं इसे पूरा करने का वचन देता हूं।

पिस्टल के साथ नाबालिग युवक गिरफ्तार

चेतन निर्मल संवाददाता

ठाणे(उत्तरशक्ति)। ठाणे एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने दो देसी पिस्टल के साथ एक नाबालिग युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया युवक उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले का रहने वाला बताया जा रहा है। गुप्ता सूचना मिलने के बाद एंटी एक्सटॉर्शन सेल के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शैलेश सालवी के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक सुनील तारमले और उनकी टीम ने ठाणे के वागले स्टेट परिसर से एक नाबालिग को हिरासत में लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से दो गावठी पिस्टल और कारतूस बरामद हुआ। इसके वागले स्टेट पुलिस स्टेशन में नाबालिग के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच सुनील तारमले कर रहे हैं।

भारत-श्रीलंका हिन्दी दिवस के अवसर पर कोलंबो में साहित्यकार लक्ष्मी यादव व अनन्या यादव को किया गया सम्मानित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर कोलंबो में आयोजित भारत-श्रीलंका हिन्दी सम्मेलन में वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार लक्ष्मी यादव को हिन्दी गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। बतादें कि यह सम्मान भारतीय उच्चायोग के स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र एवं श्रीलंका फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित द्वितीय भारत-श्रीलंका हिन्दी सम्मेलन में प्रदान किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि श्रीलंका में भारत के महामहिम उच्चायुक्त संतोष झा ने कहा कि हिन्दी आज वैश्विक संचार की सशक्त भाषा बन चुकी है और यह विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि श्रीलंका के विश्वविद्यालयों से लेकर स्कूल-कालेजों तक हिन्दी का अध्ययन कराया जा रहा है। साथ ही उन्होंने विश्व स्तर पर हिन्दी के प्रचार-प्रसार में लगे पूर्वोत्तर हिन्दी अकादमी के प्रयासों की सराहना की। समारोह में श्रीलंका के शिक्षा मंत्री मधुर सिंहरत्न ने भारत-श्रीलंका के 75 वर्षों के राजनयिक संबंधों को ऐतिहासिक बताते हुए दोनों देशों के सांस्कृतिक रिश्तों को और मजबूत करने पर बल दिया। उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश पढ़कर सुनाया गया जिसमें उन्होंने कहा कि जहाँ-जहाँ भारतवंशी हैं वहाँ हिन्दी केवल एक भाषा नहीं बल्कि भारतीय संस्कारों को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक प्रो. अंकुरण दत्ता ने कहा कि भारत के विभिन्न राज्यों से आए साहित्यकार

देश के सांस्कृतिक राजदूत हैं। इस अवसर पर लक्ष्मी यादव ने हिन्दी वैश्विक संवाद की भाषा विषय पर अपना आलेख प्रस्तुत किया। केलानिया विश्वविद्यालय की छात्राओं ने सिंहली एवं हिन्दी भाषा में प्रसिद्ध गीत चौदहवीं का चाँद प्रस्तुत कर भाषा प्रेमियों को भावनात्मक रूप से एक सूत्र में बाँध दिया। सम्मेलन में दिल्ली से वरिष्ठ साहित्यकार मोहम्मद शब्बीर, उत्तर प्रदेश से प्रो. राकेश सक्सेना, प्रो. सुनीता सक्सेना, मुंबई से अनन्या यादव, ओडिशा से प्रो. जयंत कर शर्मा, हिमाचल प्रदेश से डा. प्रताप मोहन भारतीय, रणजोत सिंह, शांति स्याल, महाराष्ट्र से डा. संजय पवार, डा. जसपाल सिंह वाल्वी, डा. ज्ञानेश्वर सोनार, राजस्थान से रामअवतार मेघवाल सागर, हरियाणा से पंकज शर्मा, लघु कथाकार अशोक भाटिया, मानसिंह पुनिया, केरल से डा. ए.के. बिंदु, डा. अनीथा पी.एल., असम से डा. ए.सी. फुकन सहित अनेक साहित्यकारों को वैश्विक स्तर पर हिन्दी सेवा के लिए सम्मानित किया गया। सम्मेलन के सह-आयोजक डा. अकेला भाई ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नति मंडल संस्था द्वारा विजय जाधव को निर्विरोध चुना गया अध्यक्ष

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नति मंडल द्वारा भिवंडी की नवनिर्वाचित ट्रस्टी एवं प्रबंधन समिति का चुनाव हाल ही में शांतिपूर्ण, वैध एवं निर्विरोध तरीके से संपन्न हुआ। इस चुनाव में सभी ट्रस्टियों एवं नवनिर्वाचित सदस्यों की सर्वसम्मति से विजय जाधव को संस्था के अध्यक्ष पद पर चुना गया। विशेष उल्लेखनीय है कि विजय जाधव को लगातार पाँचवीं बार अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अध्यक्ष पद पर चयन के बाद अपने संबोधन में विजय जाधव ने कहा कि पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव तथा मातोश्री उषाताई जाधव के आशीर्वाद से संस्था द्वारा किए गए विविध विकास कार्यों, शिक्षा क्षेत्र में विस्तार तथा समाजोपयोगी उपक्रमों के कारण ही आमसभा ने पुनः उन पर विश्वास जताया है। इस विश्वास को आगे भी और अधिक मजबूती से सार्थक करने का संकल्प उन्होंने व्यक्त किया। पाँचवीं बार अध्यक्ष चुने जाने पर उन्होंने सभी ट्रस्टियों, सदस्यों एवं हितचिंतकों के प्रति आभार प्रकट किया। संस्था की नई कार्यकारिणी में कार्याध्यक्ष बालकृष्ण काले, उपाध्यक्ष अरुणा जाधव एवं श्रीराम भोईर महासचिव आर. एन. पिंजारी, एडवोकेट रोहित जाधव एवं गो. बा. पाटील, कोषाध्यक्ष जे. डी. भोईर, सह-कोषाध्यक्ष कुसुम डाकवर वहीं प्रबंधन समिति के सदस्य के रूप में डा. नरेश जाधव, जनार्दन जव्हारकर, हरिराम शिडूनकर, पद्माकर केवारी एवं अशोक हिवरे का चयन किया गया है। चुनाव निर्णय अधिकारी प्रभाकर पाटिल के हाथों सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

हफ्ता वसूली के लिए भंगार कारोबारी की जमकर पिटाई

गुंडो को बचाने के लिए पुलिस पर उठे सवाल

डोंबीवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली के देसलेपाड़ा में भंगार का कारोबार करने वाले बाप-बेटे के साथ मारपीट और गुंडागर्दी की घटना सामने आई है। गुंडों ने भंगार वाले की बेरहमी से पिटाई की, जिसका वीडियो सीसीटीवी में कैद हो गया है। 19 वर्षीय पंकज मोर्या ने बताया कि मानपाड़ा पुलिस ने उनके बयान के अनुसार मामला दर्ज नहीं किया, बल्कि आरोपियों को बचाने के लिए मामूली धारा लगाकर जमानत दे दी, जबकि यह मामला हर महीने हफ्ता वसूली से जुड़ा हुआ था। इस घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश है और पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। इससे पहले भी डोंबिवली में कई अपराध की घटनाएं सामने आई हैं, बतादें की पुलिस थाने में दर्ज मामले की हिसाब से डोंबिवली के देसलेपाड़ा में पंकज मोर्या और उनके पिता विनोद मोर्या की भंगार की दुकान पर रविवार शाम 8 बजे के आसपास सागर कोटकर और उसके तीन साथी आए।

सागर ने पंकज से भंगार दुकान के बाहर रखने की वजह पूछी, जिस पर पंकज ने जवाब दिया कि यह भंगार गाड़ी में लादकर दूसरी जगह ले जाना है। इस पर सागर ने गालियां देकर पंकज की पिटाई कर दी। बाद में सागर अपने साथियों के साथ फिर आया और विनोद मोर्या पर भी लाठी-डंडे से हमला कर दिया। पुलिस ने सागर कोटकर सहित तीनों पर मामूली धारा लगाकर मामला दर्ज किया है, लेकिन मोर्या परिवार दहशत में है। विनोद मोर्या ने इसे हफ्ता वसूली के लिए गुंडागर्दी बताया है और पुलिस पर आरोपियों को बचाने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने बड़े अधिकारियों से शिकायत करने की बात कही है।

यातायात पुलिस ने किया 37वां सड़क सुरक्षा व दुर्घटना मुक्त अभियान का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पालघर यातायात शाखा पुलिस की ओर से 37वां सड़क सुरक्षा व दुर्घटना मुक्त अभियान-2026 का आयोजन किया गया। यह अभियान पांच मार्ग नाका क्षेत्र में संपन्न हुआ। इस अभियान का आयोजन पालघर पुलिस अधीक्षक यातीश देशमुख एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विनायक नरले के मार्गदर्शन में तथा यातायात शाखा के प्रभारी अधिकारी सुरेश सालुंखे के नेतृत्व में किया गया।

इस अभियान के अंतर्गत वडाप, छह व तीन सीट रिक्शा चालक-मालकों को यात्रियों की सुरक्षा, अनुशासित वाहन संचालन, यात्रियों से शिष्ट व्यवहार तथा यातायात नियमों के पालन के संबंध में विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को मोटरसाइकिल चलाते समय वैध ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन के आवश्यक कागजात साथ रखने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने एवं हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। यातायात पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि हेलमेट केवल कानून के कारण नहीं, बल्कि स्वयं की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। इसके अतिरिक्त मोटरसाइकिल पर ट्रिपल सीट न चलाने, चारपहिया वाहन चलाते समय चालक एवं सहयात्रियों द्वारा सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करने तथा अभिभावकों द्वारा नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति न देने संबंधी नियमों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटनाओं को रोकना और नागरिकों की जान की सुरक्षा करना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम में यातायात शाखा के पुलिस हवालदार रमेश हाडल, जागरूक नागरिक, वडाप, छह व तीन सीट रिक्शा चालक-मालक तथा महाविद्यालयीन विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शिवसेना शिंदे गुट की नगरसेविका शैला दिलीप लांडे की विजय रैली में जनसैलाब उमड़ा

मुंबई। चंदिवाली विधानसभा सीट के कुर्ला काजुपाड़ा वार्ड नंबर 163 से शिवसेना उम्मीदवार शैला दिलीप लांडे ने बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव में भारी अंतर से जीत हासिल की। विधायक दिलीप लांडे की पत्नी शैला लांडे ने चौथी बार म्युनिसिपल चुनाव जीता। इस खुशी में काजुपाड़ा इलाके में एक भव्य विजय रैली निकाली गई । जिसमें हजारों की संख्या में स्थानीय महिला-पुरुष और शिवसेना के पदाधिकारी और शिवसैनिक शामिल हुए। इस दौरान विधायक दिलीप लांडे और नवनिर्वाचित नगरसेविका शैला लांडे का जगह जगह पर स्वागत किया गया। इस बीच, विधायक दिलीप लांडे ने विजय के लिए सभी मतदाताओं का शुक्रिया अदा किया। लांडे ने कहा कि बीस साल से ज्यादा समय से मेरे परिवार पर यहां के वोटरों का भरोसा और आशीर्वाद रहा है। हमें विश्वास है कि ऐसा ही सहयोग आगे भी मिलता रहेगा। मेरे विभाग के लोगों को सुविधा देना मेरा काम है। उसी हिसाब से मैं काम कर रहा हूं। इस बीच, शिवसेना युवा सेना महाराष्ट्र के स्टेट एग्जीक्यूटिव मेंबर प्रयाग लांडे ने भरोसा दिलाया कि विभाग की दिक्कतों को दूर करके भविष्य में हर जगह नागरिक सुविधाएं देने का काम किया जाएगा। नई चुनी गई कॉर्पोरेटर शैला लांडे ने मौजूद सभी लोगों का शुक्रिया अदा किया।

रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम पुरस्कार लेकर राज्य स्तरीय प्रदर्शनी के लिए चयनित

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से ठाणे जिला परिषद के शिक्षा विभाग द्वारा 12 व 13 जनवरी 2026 को उल्हासनगर स्थित सेंचुरी रयान हाई स्कूल में 53वीं जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में तालुका स्तर पर चयनित उत्कृष्ट विज्ञान प्रोजेक्ट्स को प्रदर्शित किया गया। इस विज्ञान प्रदर्शनी में रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की। स्कूल के हायर सेकेंडरी सेक्शन के छात्र असद मुहम्मद साजिद अंसारी और शाह सैफ परवेज द्वारा प्रस्तुत प्रोजेक्ट ह्लअक्वालेजरह्व को स्पेशल कैटेगरी में प्रथम पुरस्कार के लिए

चुना गया। इस प्रोजेक्ट का मार्गदर्शन अंसारी सुमैया अनीस ने किया था। इसी प्रकार, लैब असिस्टेंट कैटेगरी में अस्सार वसीक द्वारा प्रस्तुत माडल ह्लहैंडमेड माइक्रोस्कोपह्व को भी प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज के ये दोनों पुरस्कृत प्रोजेक्ट्स अब राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी के लिए चयनित किए गए हैं, जो विद्यालय के लिए गर्व की बात है। इस शानदार उपलब्धि पर केएमई सोसायटी के प्रेसिडेंट अल्माज फकीह, सेक्रेटरी दानियाल काजी, ट्रेजरर फहद बुबेरे, रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज के चेयरमैन यासर तातली, प्रिंसिपल जियाउर रहमान अंसारी, वाइस प्रिंसिपल आमिर सिद्दीकी, असिस्टेंट हेडमास्टर मुखलिस मदू, सुपरवाइजर्स असरार पठान, सिब्तैन कशेलकर, मुजदान मुल्ला, वाईसीएमओयू स्टडी सेंटर के संयोजक अब्दुल अजीज अंसारी सहित समस्त स्टाफ सदस्यों ने विद्यार्थियों एवं मार्गदर्शक शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

खटीक समाज मेवाड़ स्तरीय क्रिकेट टूनार्मेंट

मुंबई (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। खटीक समाज मेवाड़ स्तरीय क्रिकेट प्रीमियर लीग टूनार्मेंट का भव्य आयोजन सूरत के साईं फकीर मैदान, भेस्तान में किया गया। खटीक समाज दीनबंधु सेवा ट्रस्ट के बैनर तले आयोजित इस दो दिवसीय टूनार्मेंट में भीलवाड़ा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया, जबकि भेस्तान (सूरत) की टीम उपविजेता रही।

दीनबंधु सेवा ट्रस्ट के संयोजक लक्ष्मण बोलीवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि टूनार्मेंट में कुल 16 टीमों ने भाग लिया। इनमें मेवाड़ अंचल के चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, उदयपुर, राजसमंद सहित गुजरात के बड़ौदा, पोर, उधना, भेस्तान, कडोदरा, वापी, दमन, चिखली, नवगाम, रांदेर, कामरेज एवं सूरत क्षेत्र की टीमों ने सहभागिता की। सेमीफाइनल में भीलवाड़ा, उधना, चिखली (मगोंब) और भेस्तान की टीमें पहुंचीं। फाइनल मुकाबला कड़ाके की गुलाबी ठंड के बीच भीलवाड़ा और भेस्तान टीमों के बीच खेला गया, जिसमें भीलवाड़ा टीम ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। विजेता टीम को 21 हजार रुपये व ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम को 11 हजार रुपये व ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। दोनों टीमों के कप्तानों ने खेल भावना का परिचय देते हुए अनुशासित खेल प्रस्तुत किया। टूनार्मेंट का शुभारंभ सूरत के छोटू भाई पाटिल एवं राजयोगी महंत सुरेश दास जी के करकमलों से हुआ। उद्घाटन अवसर पर मां भारती, प्रभु श्रीराम एवं महाराणा प्रताप की छवि पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलन किया गया। इसके पश्चात समाज बंधुओं, खिलाड़ियों एवं अतिथियों द्वारा राष्ट्रगान कर मां भारती को वंदन किया गया। उद्घाटन मैच नवगाम और चिखली मगोंब टीमों के बीच खेला गया। उद्घाटन सत्र में प्रमुख अतिथियों के रूप में छोटू भाई पाटिल, महंत सुरेश दास जी, श्री सिद्धेश्वर योगी जी, भामाशाह शंकरलाल बोलीवाल, बाबूलाल तोषावडा, अरुण निमावत एवं पत्रकार संपत उजाला उपस्थित रहे। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर राजसमंद के पूर्व विधायक बंशीलाल खटीक, समाजसेवी जमनालाल चंदेल (अहमदाबाद) एवं भेरूलाल टेपण (कुरज) उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी भामाशाहों का सम्मान ट्रस्ट के संरक्षक रोशन लाल बाछड़ा एवं तोलीराम बासा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन कवि संपत उजाला (आमेट) ने किया। टूनार्मेंट में खटीक समाज दीनबंधु सेवा ट्रस्ट, सूरत के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। उल्लेखनीय है कि दीनबंधु सेवा ट्रस्ट पिछले एक दशक से अध्यक्ष लक्ष्मण लाल के नेतृत्व में सूरत में समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय है और कई उल्लेखनीय कार्य कर चुका है। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ जगन्नाथ प्रसाद डागलिया, भोली राम बागोल, कन्हैया लाल पिपरडा, किशन लाल पोटला, भेरूलाल कोठियारा, हाबुलाल पोटला, बद्रीलाल गंगापुर सहित बोईसर, वापी, दहानू, उधना एवं सूरत क्षेत्र से हजारों की संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

राष्ट्र निर्माण की नींव युवाओं के संस्कार और अनुशासन में निहित: सुनील आंबेकर

युवा शक्ति को सही दिशा देने के लिए मूल्यबोध अत्यंत आवश्यकः कुलपति प्रो. वंदना सिंह

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर पीयू में युवा संवाद का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संगोष्ठी भवन में ह्लराष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिकाह्व विषय पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संघ की 100 वर्षों की यात्रा को दर्शाती एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसे विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक देखा।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि राष्ट्र निर्माण की नींव युवाओं के संस्कार, अनुशासन और सतत अभ्यास में निहित है। आयुर्वेद, विज्ञान और योग जैसी भारतीय परंपराएँ मानव सभ्यता की सबसे प्राचीन धरोहर हैं, जिन्हें आज 21वीं सदी में पूरा विश्व स्वीकार कर रहा है। योग भले ही हजारों वर्ष पुराना हो, लेकिन आज विकसित देशों को भी इसकी आवश्यकता महसूस हो रही है। यह भारत की उस सांस्कृतिक चेतना का प्रमाण है, जो सदैव विश्व कल्याण की भावना से प्रेरित रही है।

उन्होंने कहा कि अच्छा नागरिक और देश के लिए उपयोगी व्यक्ति बनने की प्रक्रिया बचपन से ही प्रारंभ होती है। अचानक जागकर कोई भी महान नहीं बनता, इसके लिए निरंतर अभ्यास, अनुशासन और संस्कार आवश्यक होते हैं। उन्होंने युवाओं की उस सोच पर भी प्रकाश डाला कि ह्लमैं अकेला सही बनकर क्या कर लूँगाह्व, और कहा कि इतिहास गवाह है कि जब कोई व्यक्ति अकेले सही मार्ग पर चलता है, तो वही मार्ग आगे चलकर समाज का मार्ग बन जाता है।

सुनील आंबेकर ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने स्थापना के सौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए पाँच आयामों पर कार्य कर रहा है—सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी भाव का जागरण तथा नागरिक कर्तव्यों का बोध।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि आज का युवा ऊजार्वान, तेजस्वी और नवाचार से भरा हुआ है। लेकिन युवा शक्ति को सही दिशा देने के लिए मूल्यबोध और उद्देश्य अत्यंत आवश्यक हैं। जब जीवन का लक्ष्य केवल ह्लस्वह्व तक सीमित रहता है, तो उपलब्धियाँ भी सीमित होती हैं, जबकि लक्ष्य में ह्लराष्ट्रह्व जुड़ने से जीवन स्वयं सार्थक बन जाता है।

कार्यक्रम की प्रस्तावना एवं अतिथियों का स्वागत प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को सकारात्मक सोच और राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन विभाग कार्यवाह डॉ. नितेश जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे, जिन्होंने प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से मुख्य वक्ता से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

इस अवसर पर मंच पर काशी प्रांत के प्रांत संचालक अंगराज, प्रांत प्रचारक रमेश, सह प्रांत प्रचारक सुनील, प्रांत प्रचारक प्रमुख रामचंद्र, विभाग प्रचारक आदित्य, जिला प्रचारक अमरजीत, डॉ. महेंद्र, प्रो. एच सी पुरोहित, प्रो. मानस पाण्डेय, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. मनोज मिश्रा, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. अजय प्रताप सिंह, विद्यार्थी कार्य प्रमुख डॉ. मनीष प्रताप सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव,डॉ. मनीष गुप्ता सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप के वीरता की गाथा युगों-युगों तक प्रेरणादायक रहेगी: कृपाशंकर सिंह

राजपूत सेवा समिति ने मनाया महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि, दी श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राजपूत सेवा समिति जौनपुर द्वारा नगर के कालीचाबाद में स्थापित महाराणा प्रताप प्रतिमा पार्क में सोमवार को वीर शिरोमणि की पुण्यतिथि माल्यार्पण कर मनाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व लोकसभा प्रत्याशी व पूर्व गृहराज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप के शौर्य, स्वाभिमान मेवाड़ के वीर योद्धा, त्याग, तपस्या व अदम्य साहस के प्रतीक, जिनकी वीरता की गाथा युगों-युगों तक प्रेरणादायक रहेगी, और युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेगी।

भाजपा प्रवक्ता ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप ने राष्ट्र और स्वाभिमान की रक्षा के लिए उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर त्याग, बलिदान और वीरता का उच्चतम आदर्श स्थापित किया।₹ आगे उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास में कुछ नाम ऐसे हैं, जो केवल शासक नहीं बल्कि विचार बन जाते हैं। ऐसा ही एक नाम है महाराणा प्रताप। वे केवल मेवाड़ के राजा नहीं थे, बल्कि स्वाभिमान, स्वतंत्रता और आत्मसम्मान की जीवंत मिसाल थे। जब अधिकांश राजपूत शासक मुगल सम्राट अकबर की अधीनता स्वीकार कर चुके थे, तब महाराणा प्रताप ने घास की रोटियां खाकर, जंगलों में रहकर भी गुलामी को ठुकरा दिया।

इस अवसर पर शशि मोहन सिंह क्षेम, अजीत सिंह, डा. सिद्धार्थ सिंह, सर्वेश सिंह, रविन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. विनोद सिंह,शशि सिंह, शशिकांत सिंह, अमर बहादुर सिंह, डॉ. नवाब सिंह, धर्मेंद्र सिंह,अजय सिंह,राजेश सिंह, राम प्रताप सिंह विनीत सिंह श्याम राज सिंह सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बोलेरे की टक्कर से बाइक सवार युवक की गई जान, साथी घायल

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बनुआडीह गांव के तालाब के पास शाहगंज वाया प्रयागराज राजमार्ग पर सोमवार को आमने- सामने बोलेरो से हुई टक्कर में बाइक चला रहे युवक की दर्दनाक मौत हो गई। उसी बाइक पर सवार उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया। मृतक के पिता ने अज्ञात बोलेरो चालक के खिलाफ थाने में तहरीर दिया है।

सुइथाखुर्द गांव निवासी 18 वर्षीय शैलेश चौहान पुत्र श्रीनाथ सोमवार को गांव के ही अपने मित्र दीपक प्रजापति को साथ लेकर बैंक से पैसा निकालने बाइक से खुटहन बाजार आ रहा था। उक्त तालाब के पास सामने से आ रही बोलेरो ने टक्कर मार दिया। हेलमेट न पहने होने के चलते शैलेश के सिर में गंभीर चोटें आने से वह बेहोश हो गया। दीपक को भी हाथ पैर में चोटें आईं। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों को एंबुलेंस से सीएससी ले आई। जहां देखते ही चिकित्सकों ने शैलेश को मृत घोषित कर दिया। घायल दीपक को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। घटना की जानकारी होते ही मृतक के स्वजन अस्पताल पहुंच गए। मृतक की माता गिरजा देवी,दादा रामजस चौहान,बड़ा भाई संदीप, पिता श्रीनाथ के रोने बिलखने से पूरा माहौल गमगीन हो गया। तहरीर के आधार पर अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने बोलेरो कब्जे में ले लिया है।

जिलाधिकारी ने अचानक किया विकास खंड कार्यालय का निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुफ्तीगंज स्थानीय विकास खंड कार्यालय का सोमवार को दोपहर जिलाधिकारी जौनपुर दिनेश चंद्र सिंह ने मुफ्तीगंज ब्लाक का अचानकन निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान बी डी ओ अस्मिता सेन मोबाइल पर ऑन लाइन मीटिंग करती मिली। जिलाधिकारी ने ऑन लाइन मीटिंग में जिले के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा की सुबह के टाइम सभी कार्यालयों में जनसुनवाई सहित आवश्यक कार्य होते है ऑन लाइन मीटिंग होने से और कार्य बाधित होता है इसलिए अब वी सी शाम के समय करने के लिए निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने मीटिंग के दौरान बी डी ओ को निर्देशित करते हुए कहा की एस आई आर पर काम तेज किया जाय सभी लोग गांव गांव जाकर बूथ वाइस अपना काम करे। बी डी ओ ने जिलाधिकारी को बताया की अभी तुरंत एस आई आर से संबंधित ही सेक्टर प्रभारी ए डी ओ और सचिवों संग बैठक कर फॉर्म 6 ,7 व 8 पर काम करने के लिए कहा गया है। जिसको संज्ञान में लेते हुए जिलाधिकारी ने सभी ब्लाक कर्मियों संग बैठक कर एस आई आर संबंधित जानकारी लेते हुए जिम्मेदारी पूर्वक काम करने के लिए निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान फूलचंद कन्नौजिया चन्द्र शेखर गुप्ता रविशंकर अनूप दीक्षित रजनीश उपाध्याय सहित सभी ब्लाक कर्मी उपस्थित रहे।

एसआईआर सूची के निरीक्षण को मदारपुर पहुंचे कृपाशंकर सिंह, बीएलओ व भाजपा कार्यकताओं से की चर्चा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री एवं गत लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी रहे कृपाशंकर सिंह ने रविवार को चुनाव आयोग द्वारा तैयार कराई गई एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) सूची का निरीक्षण किया। इसके लिए वह विकास खंड सिकरारा अंतर्गत स्थित प्राथमिक विद्यालय मदारपुर पहुंचे।

निरीक्षण के दौरान कृपाशंकर सिंह ने बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) से मतदाता सूची के अद्यतन कार्य को लेकर विस्तार से जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के बूथ स्तरीय कार्यकताओं से भी संपर्क कर संगठनात्मक मजबूती और मतदाता जागरूकता को लेकर चर्चा की। इस अवसर पर क्षेत्रीय मंडल अध्यक्ष नरेन्द्र विश्वकर्मा, भाजपा प्रवक्ता ओमप्रकाश सिंह, जिला कार्यालय प्रमुख ओमप्रकाश सिंह, मीडिया प्रभारी राजेश मौर्य, उमाशंकर सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि मदारपुर गांव कृपाशंकर सिंह का ननिहाल है, जिससे क्षेत्र के लोगों में उनके आगमन को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला।

जनपद में 3069 आवास हुए स्वीकृत, लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित

लाभार्थियों के खाते में आज प्रथम किस्त की धनराशि अंतरित करते हुए स्वीकृत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गोमती नगर, लखनऊ से मुख्यमंत्री द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत 02 लाख लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे करीब 2000 करोड़ की अनुदान राशि अंतरित की गई।

कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह मे राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश गिरीश चंद्र यादव, चेयरमैन जफराबाद सरफराज, गौराबादशाहपुर सीतामनी सोनकर, कजगांव फिरोज अहमद खान, जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र, अपर जिलाधिकारी भू राजस्व अजय अम्बष्ट सहित समस्त अधिशासी अधिकारियों, अन्य अधिकारिगण, कर्मचारियों तथा योजना के लाभार्थियों की उपस्थिति में देखा गया।

केंद्र और राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत जनपद में 3069 आवास स्वीकृत हुए हैं, लाभार्थियों के खाते में आज प्रथम किस्त की धनराशि अंतरित करते हुए स्वीकृत आवास के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

इस दौरान माननीय मंत्री, तथा जिलाधिकारी द्वारा अनवरी, बालकृष्ण प्रजापति, असगरी निशा, गुंजा देवी, लक्ष्मीना प्रजापति, शहनाज बानो, शीला देवी, तमन्ना, कमला देवी, रंजना सहित प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्य लाभार्थियों को योजना के अंतर्गत आवास स्वीकृति का प्रमाण पत्र वितरित किया गया। राज्यमंत्री द्वारा कहा गया कि शासन का प्रयास है कि सभी के पास अपना खुद का पक्का मकान हो, जिसके लिए सरकार प्रतिबद्ध है और इसी प्रयोजन से आज मुख्यमंत्री द्वारा दो लाख लाभार्थियों के बैंक खाते में योजना अंतर्गत प्रथम किस्त अंतरित की गई है। आप सभी ने जो पक्का आवास का सपना देखा था उसे साकार करने की शुरूआत कीजिए। उन्होंने कहा कि शासन के द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा हैं कि सभी पात्र गरीब व्यक्तियों को शासन के द्वारा संचालित योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ प्रदान किया जाए, सभी पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ मिले और कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे, तथा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार बिना छत के नहीं रहेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास स्वीकृतियों की भी जानकारी दी। इसके अतिरिक्त शासन द्वारा पीएम सम्मान निधि योजना, पेंशन योजना सहित अन्य योजनाओं से लाभान्वित करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना तथा मुख्यमंत्री आवास योजना का उद्देश्य है सभी वंचित और पात्र लोगों को पक्का मकान देना, जिसका परिणाम है कि आज सभी को आवास निर्माण हेतु प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रथम किस्त उपलब्ध कराई गई, इसका उपयोग आप भवन निर्माण में करते हुए अपने सपने के आशियाने को बनवाएं। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, सीएम उद्यमी योजना के अंतर्गत रुपए 5 लाख की ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराई जा रही है सभी वंचित वर्ग के लोगों को राशन कार्ड, पेंशन सहित अन्य योजनाओं से आच्छादित किया जा रहा है, आपके जीवन को उत्कृष्ट बनाने का पूरा प्रयास किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि जनपद के केवल नगरीय क्षेत्र में ही अब तक 22000 से अधिक आवास इस योजना अंतर्गत बनवाए गए हैं।

बाइक की टक्कर से वृद्ध की मौत

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के जौनपुर आजमगढ़ हाईवे पर केशवपुर के पास रविवार को देर शाम सड़क पार करते समय एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि बाइक सवार भी घायल हुआ है। बताते हैं कि गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के गोपालापुर गांव निवासी सुभाष गौतम 65 वर्ष साइकिल से जौनपुर की तरफ से आ रहा था। वह अपनी साइकिल सड़क किनारे खड़ीकर के सामने दूसरे लेन पर पैदल जा रहा था कि जौनपुर की तरफ जा रहे बाइक सवार से टक्कर लग गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक सवार भी गिरकर घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया। जहां डाक्टरों ने सुभाष को मृत घोषित कर दिया। थाना अध्यक्ष प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि परिवार के लोगों ने कोई तहरीर नहीं दिया है तहरीर देता है तो विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मुंबई में उत्तर भारतीयों ने नगर महापालिका के चुनाव में बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

जौनपुर लोकसभा से पूर्व प्रत्याशी कृपा शंकर सिंह ने स्थानीय एक होटल में पत्रकारों से वार्ता किया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूर्व लोकसभा प्रत्याशी कृपा शंकर सिंह ने स्थानीय एक होटल में पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि मुंबई में उत्तर भारतीयों द्वारा काफी अच्छा नगर महापालिका के चुनाव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और जौनपुर जनपद के कई प्रत्याशियों को नगर सेवक के रूप में बनाया। उन्होंने जौनपुर के विकास के बारे में बताया कि जनपद जौनपुर में काफी तेजी से विकास हो रहा है कई और ब्रिज और पुलों का निर्माण तेजी से हो रहा है। मेरा प्रयास है कि जौनपुर में एक बड़ी मिल फैक्ट्री रेडीमेड गारमेंट्स की हो जिसके तहत में प्रयास कर रहा हूं। पत्रकारों के सवाल के जवाब में भी उन्होंने बताया कि हमारी सरकार गरीब किसान के लिए भी बहुत कुछ कर रही है। कुछ पत्रकारों ने जौनपुर से मुंबई तक ट्रेन चलने की बात कही तो उन्होंने कहा किया मेरे प्रस्ताव में है मैंने रेल मंत्री से मिलकर के इस विषय पर वार्ता किया है जल्द ही है व्यवस्था जौनपुर में लागू होगी।

मेडिकल कालेज जौनपुर द्वारा स्वदेशी पर आधारित रन फॉर रैली का आयोजन सफलता पूर्वक सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० के कुशल नेतृत्व में 'रन फॉर स्वदेशी कार्यक्रम के अन्तर्गत एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का मुख्य उद्देश्य स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा देना तथा आम जनमानस को आत्मनिर्भर भारत की भावना से जोड़ना था। रैली महाविद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर आसपास के जन-सुविधा क्षेत्रों से होकर पुनः महाविद्यालय में संपन्न हुई। प्रतिभागियों ने स्वदेशी अपनाओं, देश को मजबूत बनाओ आत्मनिर्भर भारत सशक्त भारत जैसे नारों के माध्यम से लागों को स्वदेशी उत्पादों के प्रयोग के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल ने विशेष रूप से एमबीबीएस छात्रों से आहान किया कि वे स्वास्थ्य सेवा के साथ-साथ सामाजिक दायित्व के निर्वहन में भी अग्रणी भूमिका निभाये और अपने परिवार, मित्रो एवं समाज को स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग के प्रति जागरूक करें। साथ ही उन्हें आस-पास के जनसुविधा क्षेत्रो में उपस्थित आम नागरिको से भी स्वदेशी उत्पाद अपनाने की अपील की।

कार्यक्रम के अन्त में सभी प्रतिभागियों ने स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग के बढ़ावा देने का संकल्प लिया। रन फॉर स्वदेशी रैली के माध्यम से मेडिकल कॉलेज जौनपुर, समाज में सकारात्मक संदेश देते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रीय भागीदारी का परिचय दिया।

इस रैली में महाविद्यालय के प्रधानाचार्य के साथ डीन रिसर्च प्रो. रूचिरा सेठी, प्रो.उमेश सरोज, डा. सरिता पाण्डेय, डा.आदर्श यादव, डा.नवीन सिंह, डा.पूजा पाठक, डा.रोहित सरोज, डा.मतीन अहमद, डा. सैयद उस्मान, डा.दिग्वेश यादव व एमबीबीएस के छात्र-छात्राएं तथा अन्य कर्मचारीगण उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

लावारिस घायल व्यक्ति को जिला अस्पताल भेजा

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ रोडवेज स्थित एक लावारिस व्यक्ति जिसकी पीठ तथा पैर में सड़न हो गई थी, सूचना मिलने पर प्रयास सामाजिक संगठन द्वारा आज दूसरे दिन उसका मरहम पट्टी करने के बाद 108 नंबर बुलाकर सदर हॉस्पिटल में समुचित इलाज के लिए भेज दिया गया।अध्यक्ष रणजीत सिंह ने बताया कि रोडवेज परिसर में पानी की टंकी के पास बने यात्री के बैठने के लिए जहां पर लावारिस मरीज सोया हुआ था काफी गंदगी देख संस्था के साथियों ने जैसे ही झाड़ू से साफ करना शुरू किया तुरंत रोडवेज के सफाई कर्मी हरकत में आए और तुरंत वहां साफ सुथरा करने लगे। इस अवसर पर असिस्टेंट चंदू प्रजापति राजीव कुमार शर्मा शिवप्रसाद पाठक आदि लोग मौजूद रहे।

CMO Reg. RMEE. 2341801
SHIFA HOSPITAL
अहमदी मेमोरियल
शिफा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
डा0 मोहम्मद अकमल (फिजिशियन) पता- मानीकलां, जौनपुर
डॉ0 सुनील कुमार दुबे MBBS, MS (Laproscopic Surgeon) on call
डॉ0 अबू फैसल MBBS, Ortho PGDS हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ समय 2 बजे से शाम 4 बजे तक (बृहस्पतिवार)
डॉ0 एम के वर्मा P.G D.C (Delhi) (चर्म रोग विशेषज्ञ) समय- 11 बजे 2 बजे तक (शनिवार)
डॉ0 मोहम्मद चाँद बागवान MBBS, DNB, MD (Lucknow) शुगर, चेस्ट एंव हृदय रोग विशेष समय- सुबह 8 बजे 11 बजे तक (मंगलवार)
डॉ0 मोहम्मद अब्दुल्लाह (दाँत चिकित्सक) समय - सुबह 9 से 11 बजे तक (बुद्धवार, रविवार)
डॉ0 यसीरा अली MBBS, MS (obs & Gynae Surgeon) स्त्री रोग एवं बांझपन विशेषज्ञ (Inferitility) समय- सुबह 8 बजे से 11 बजे तक (मंगलवार)
डॉ0 सना अब्दुल्लाह (स्त्री रोग विशेषज्ञ) समय - सुबह 9 बजे से 11 बजे तक (बुद्धवार, रविवार)
डॉ. मोहम्मद अंज़र एम.बी.बी.एस. जरनल फिजिशियन
डिजिटल एक्स-रे, कम्प्यूटराइज्ड पैथोलॉजी, E.C.G., हृदय रोग विशेषज्ञ, चेस्ट रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, दन्त चिकित्सक फिजियोथेरापी, डिलेवरी (नार्मल, सिजेरियन) दूरबीन विधि से पित्ताशय में पथरी, अपेंडिक्स, बच्चेदानी, हाइड्रोसील का ऑपरेशन भर्ती की सुविधा।
पता - मानीकलां, जौनपुर | 9451610571, 7380850571

BAJAJ
ए. एम. बजाज
प्रो अब्दुल माजिद | मानी कलां, गुरैनी रोड, जौनपुर- 222139 | 9621032024, 9651316060, 9621139686

महाराणा प्रताप के वीरता की गाथा युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत : कृपाशंकर सिंह

जौनपुर। राजपूत सेवा समिति जौनपुर द्वारा नगर के कालीचाबाद में स्थापित महाराणा प्रताप प्रतिमा पार्क में सोमवार को वीर शिरोमणि की पुण्यतिथि माल्यार्पण कर मनाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व लोकसभा प्रत्याशी व पूर्व गृहराज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप के शौर्य, स्वाभिमान मेवाड़ के वीर योद्धा, त्याग, तपस्या व अदम्य साहस के प्रतीक, जिनकी वीरता की गाथा युगों-युगों तक प्रेरणादायक रहेगी, और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत रहेगी। भाजपा प्रवक्ता ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप ने राष्ट्र और स्वाभिमान की रक्षा के लिए उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर त्याग, बलिदान और वीरता का उच्चतम आदर्श स्थापित किया। आगे उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास में कुछ नाम ऐसे हैं, जो केवल शासक नहीं बल्कि विचार बन जाते हैं। ऐसा ही एक नाम है महाराणा प्रताप। वे केवल मेवाड़ के राजा नहीं थे, बल्कि स्वाभिमान, स्वतंत्रता और आत्मसम्मान की जीवंत मिसाल थे। जब अधिकांश राजपूत शासक मुगल सम्राट अकबर की अधीनता स्वीकार कर चुके थे, तब महाराणा प्रताप ने घास की रोटियां खाकर, जंगलों में रहकर भी गुलामी को ठुकरा दिया। इस अवसर पर शशि मोहन सिंह क्षेम, अजीत सिंह, डा. सिद्धार्थ सिंह, सर्वेश सिंह, रविन्द्र प्रताप सिंह, डॉ विनोद सिंह, शशि सिंह, शशिकांत सिंह, अमर बहादुर सिंह, डॉ नवाब सिंह, धर्मेंद्र सिंह, अजय सिंह, राजेश सिंह, राम प्रताप सिंह विनीत सिंह श्याम राज सिंह सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कमल किशोर को अभिनेत्री महिमा चौधरी के हाथों मिला भारत विजनरी लीडर अवार्ड 2026

औरंगाबाद। वरिष्ठ पत्रकार तथा उद्यमी कमल किशोर को बिजनेस इन बिहार की ओर से पटना के संगरी ला पैलेस में आयोजित कार्यक्रम में प्रख्यात फिल्म अभिनेत्री महिमा चौधरी ने बिहार में उद्यम-व्यापार को बढ़ावा देने, रोजगार के अवसर प्रदान करने और मीडिया में विशिष्ट योगदान के लिए भारत विजनरी लीडर एवार्ड 2026 से सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व पर्यटन मंत्री राजू कुमार सिंह, जीएसटी के संयुक्त एवं आयुक्त समीर परिमल समेत उद्यमी, चिकित्सक, शिक्षाविद, पर्यावरणविद् तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। गौरतलब है कि श्री किशोर पिछले 35 वर्षों से दैनिक समाचार पत्र के प्रकाशन से जुड़े हैं और नक्सल प्रभावित तथा तब उद्योगविहीन रहे जिले में अपने प्रकाशन समूह के माध्यम से सैकड़ों व्यक्तियों को पत्रकारिता क्षेत्र में रोजगार प्रदान किया। इन्होंने सकारात्मक और रचनात्मक पत्रकारिता के माध्यम से औरंगाबाद जैसे जिले के विकास में अपना विशिष्ट योगदान दिया है। पत्रकारिता के साथ ही सामाजिक कार्यों में भी श्री किशोर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हाल ही में इन्हें बिहार विधानसभा की प्रेस सलाहकार समिति का स्थायी सदस्य मनोनीत किया गया है। इस बीच श्री किशोर ने अपने समस्त उन शुभचिंतकों, परिजनों तथा सहकर्मियों के प्रति आभार किया है, जिनके सम्मिलित सहयोग से यह सम्मान प्राप्त हुआ।

मधुबनी में फाइबर सीमेंट रूफ्स लॉन्च

मधुबनी(उत्तरशक्ति)। चारमिनार बिरलानू ने अपने रूफ्स पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए अल्ट्राप्रीमियम फाइबर सीमेंट रूफ्स को मधुबनी में लॉन्च किया। इस मौके पर विजय लहोटी, बिजनेस हेड, रूफ्स, बिरलानू ने कहा कि अल्ट्राप्रीमियम फाइबर सीमेंट रूफ्स को खास तौर पर ऐसे घरों और व्यावसायिक इमारतों के लिए तैयार किया गया है, जहां मजबूती के साथ-साथ बेहतर फिनिश और कम रखरखाव की जरूरत होती है। फाइबर सीमेंट रूफ्स लंबे समय से अपनी मजबूती और भरोसेमंद प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं और अब ग्राहक इनमें बेहतर दिखावट और लंबे समय तक साफ बने रहने वाले विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। नई रूफ वैरिएंट में पानी को अंदर नहीं जाने देने वाली सतह दी गई है, जो नमी को सोखने की क्षमता को कम करती है। इससे भारी बारिश के दौरान रिसाव, नमी और मौसम से होने वाले नुकसान को सीमित करने में मदद मिलती है। यह सतह उपचार नमी के ठहराव को भी कम करता है, जिससे शैवाल बनने की संभावना घटती है और रूफ्स लंबे समय तक साफ बने रहते हैं। इसके अलावा, इसकी चिकनी सतह वाली फिनिश पारंपरिक फाइबर सीमेंट रूफ्स की तुलना में बेहतर दिखाई देती है और लंबे समय तक टिकाऊ बनी रहती है। यह उत्पाद बिहार, पंजाब और राजस्थान के चुनिंदा बाजारों में पेश किया जा रहा है, जहां आवासीय और छोटे व्यावसायिक निर्माण कार्यों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है।

कोहरे का असर सोमवार को भी यातायात पर दिखा

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। पिछले दो दिनों से पड़ रहे कोहरे का असर सोमवार को भी फ्लाइटों व ट्रेनों पर रहा। लखनऊ नई दिल्ली तेजस एक्सप्रेस सोमवार को निरस्त रही। वहीं अमौसी एयरपोर्ट पर आने-जाने वाली बीस दर्जन उड़ानें देरी की शिकार हुईं।रविवार को नई दिल्ली से चलने वाली तेजस एक्सप्रेस करीब नौ घंटे की देरी से रात पौने बारह बजे लखनऊ के लिए रवाना हुई। चेयरकार बोगी की सीटों पर यात्री रातभर परेशान होते रहे। ट्रेन सोमवार सुबह सवा सात बजे लखनऊ जंक्शन पहुंची। वहीं सोमवार को आईआरसीटीसी ने तेजस को निरस्त कर दिया। इसी क्रम में पश्चिमी यूपी में पड़े कोहरे के कारण कानपुर और मुरादाबाद के रास्ते लखनऊ आने वाली ट्रेनें लेट हुईं। 12556 गोरखधाम एक्सप्रेस 5:27 घंटे, 12232 चंडीगढ़-लखनऊ सुपरफास्ट 5:08 घंटे, 13308 गंगा सतलुज एक्सप्रेस 2:05 घंटे, 12238 बेगमपुरा एक्सप्रेस 4:50 घंटे, 13152 जम्मूतवी-कोलकाता एक्सप्रेस 2:10 घंटे, 14674 शहीद एक्सप्रेस 7:30 घंटे, 02564 नई दिल्ली-बरौनी स्पेशल 5:06 घंटे, 04217 वाराणसी-लखनऊ स्पेशल 5:33 घंटे व 07076 गोरखपुर-हैदराबाद स्पेशल 11:10 घंटे लेट पहुंची। दूसरी ओर दिल्ली से लखनऊ आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की आइएक्स-1040 आधे घंटे, मुंबई से आने वाली 6ई-5264 सवा दो घंटे, दिल्ली से आने वाली आइएक्स-2171 दो घंटे, कोलकाता से आने वाली 6ई-6139 एक घंटे, मस्कट से आने वाली डब्ल्यूवाइ-265 पौन घंटे, मुंबई से आने वाली आइएक्स-1026 डेढ़ घंटे, रियाद से आने वाली एक्सवाइ-333 पौने तीन घंटे, जेद्दा से आने वाली एसवी-890 एक घंटे, दुबई से आने वाली आइएक्स-194 पौन घंटे, बंगलुरु से आने वाली आइएक्स-1033 पच्चीस मिनट, जयपुर से आने वाली 6ई-7482 आधे घंटे, रियाद से आने वाली आइएक्स-190 एक घंटे लेट रही।

पुलिस ने 25 हजार का इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया

वाराणसी। वाराणसी जिले की कैंट पुलिस ने 70 लाख की धोखाधड़ी मामले में पांच साल से वांछित चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी अकाउंटेंट सौरभ गुप्ता को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। कैंट इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा ने बताया कि अर्दली बाजार स्थित सुविधा साड़ी से 70 लाख रुपये की धोखाधड़ी और गबन मामले में सौरभ की तलाश थी। आरोपी सौरभ गुप्ता ने गुरुग्राम सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पटेल नगर में अपना ठिकाना बनाया था। मूलरूप से वह आदमपुर थाना क्षेत्र के गंगा नगर कालोनी का निवासी है। पीड़ित देवानंद सेवारमानी सप्पू द्वारा अपने फर्म सुविधा साड़ीज अर्दली बाजार वाराणसी में नियुक्त मैनेजर/अकाउंटेंट सौरभ गुप्ता समेत दो लोगों के विरुद्ध फर्जी फर्म अपने नाम से स्थापित कर माल के भुगतान के नाम पर लगभग 70 लाख रुपये गबन करने का मामला दर्ज कराया था। कैंट पुलिस व साइबर सेल की सहायता से रविवार को सौरभ गुप्ता को गिरफ्तार किया गया।

प्रणीत नरेंद्र तिवारी को दैनिक उत्तरशक्ति समाचार पत्र में महत्वपूर्ण दायित्व

इंदौर (उत्तरशक्ति)। मध्यप्रदेश के इंदौर जिले की विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-4 अंतर्गत अन्नपूर्णा क्षेत्र निवासी प्रणीत नरेंद्र तिवारी को दैनिक उत्तरशक्ति समाचार पत्र के सहयोग एवं विस्तार हेतु नियुक्त किया गया है। उन्होंने समाचार पत्र को आगे बढ़ाने के लिए पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करने का आश्वासन दिया है।

प्रणीत नरेंद्र तिवारी ने अपने अथक परिश्रम, कड़ी मेहनत एवं ईमानदार व्यवसायिक कार्यशैली के माध्यम से इंदौर में एक विशिष्ट पहचान स्थापित की है। वे सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय रहते हैं सदैव गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद वर्ग की सेवा में अग्रसर रहते हैं। उनकी सामाजिक सेवाओं के लिए विभिन्न संस्थानों, मंडलों एवं संगठनों द्वारा उन्हें कई बार सम्मानित किया जा चुका है।

वे अनेक राष्ट्रीय संस्थाओं से जुड़े हुए हैं तथा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा को अपना प्रमुख कर्तव्य मानते हुए निरंतर सहयोग प्रदान करते हैं। रक्तदान शिविरों का आयोजन, विद्यार्थियों को निःशुल्क नोटबुक वितरण, तथा गरीब व असहाय परिवारों को चिकित्सा सहायता जैसी अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं से समाज के अनेक लोग लाभान्वित हो रहे हैं। श्री तिवारी को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उपसंपादक प्रेमचंद मिश्रा और संपादक ओमप्रकाश प्रजापति द्वारा दी गई है।

इस अवसर पर श्री बिल्डर एंड डेवलपमेंट रियल एस्टेट कार्यालय में भवन निमार्ता सुमित नरेंद्र तिवारी ने उन्हें प्रेस कार्ड पहनाकर आशीर्वाद दिया एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि प्रणीत तिवारी पत्रकारिता जगत में निर्भीकता एवं निष्पक्षता के साथ कार्य करेंगे।

कार्यक्रम में भवन निमार्ता सुमित तिवारी, गजेंद्र दुबे, विशाल पाठक, दीपेश पाण्डेय, दीपक ठाकुर, राजा अरोड़ा, हितेश वाजपेई, आनंद वर्मा, बब्लू चौहान, वरिष्ठ पत्रकार अरविंद त्रिवेदी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ड्रग इनक्सपेक्टर ने मेडिकल दुकानों पर चलाया सघन चेकिंग अभियान

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज में दवा से जुड़े कारोबारियों में उस समय हड़कम्प मच गया जब पता चला की औषधि विभाग द्वारा मेडिकल स्टोरों की सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है चेकिंग की खबर जंगल मे आग की तरह फैल गयी और कई मेडिकल स्टोरों के शटर धड़ाधड़ गिर गए और मेडिकल स्टोर संचालक एक दूसरे से पल पल की खबर लेते दिखे। जिला औषधि निरीक्षक रजत कुमार पाण्डेय सोमवार की दोपहर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर मेडिकल स्टोरों की जांच की जिसमे दवाओं के रखरखाव, आय व्यय का ब्योरा, एक्सपायरी दवा आदि की जांच की गई ततपश्चात टीम नगर के पुरानी बाजार पहुंची जहां एक कथित चिकित्सक अपने दुकान का सटर गिराकर फरार हो गया। औषधि निरीक्षक हड्डी अस्पताल गली में भी गए, जहां एक हास्पिटल में लगभग दो घण्टे जांच पड़ताल की। वहीं इस सम्बंध में जब औषधि निरीक्षक रजत पांडेय से कैमरे पर बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने कैमरे पर कुछ भी बोलने से सीधे इनकार कर दिया। जबकि कुछ घण्टों बाद दूरभाष से जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो फोन रिसीव नही हुआ।

पटना के युवाओं के लिए काके दा होटल बना पार्टी हब, बेहतरीन स्वाद के लिए देशभर में प्रसिद्ध

पटना। सीपी दिल्ली फेम काके दा होटल का सगुना मोड़ स्थित पटना फ्रेंचाइजी काके दा होटल युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय पार्टी हब के रूप में अपनी खास पहचान बना रहा है। अपने लाजवाब स्वाद, बेहतरीन क्वालिटी और शानदार माहौल के कारण काके दा होटल न केवल पटना बल्कि राज्यभर के फूड लवर्स के बीच प्रसिद्ध होता जा रहा है। खासतौर पर यहां मिलने वाले पंजाबी और उत्तर भारतीय व्यंजन लोगों की पहली पसंद बने हुए हैं। काके दा होटल दिल्ली का पुराना और मशहूर रेस्टोरेंट चेन है। मौके पर मीडिया को संबोधित करते हुए पटना के फ्रेंचाइज ओनर धनंजय कुमार ने कहा कि काके दा होटल युवाओं के लिए पार्टी, बर्थडे सेलिब्रेशन, किटी पार्टी, गेट-टुगेदर और फैमिली डिनर का पसंदीदा हब बन चुका है।

वॉर्ड क्रमांक 168 से डॉ. सईद खान को ऐतिहासिक जीत पर बधाई

मुंबई बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव 2026 में विजयी हुए सभी उम्मीदवारों को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई। इसी क्रम में वॉर्ड क्रमांक 168 से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) की ओर से घड़ी चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ने वाली डॉ. सईद खान के नगरसेविका पद पर विजयी होने पर उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएँ और शुभेच्छाएँ दी गईं। डॉ. सईद खान की यह जीत जनता के विश्वास, कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रतिफल मानी जा रही है। समर्थकों और शुभचिंतकों ने ईश्वर से कामना की कि वे अपने कार्यकाल में वॉर्ड के सर्वांगीण विकास और जनसेवा के नए आयाम स्थापित करें। इस अवसर पर समाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), अशोक रावत, चेतन अग्रवाल, राजेश गुप्ता, महेश पटेल, गौरव मित्तल, देवानंद उदरानी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. सईद खान को उनकी ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी और आशा व्यक्त की कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार जनता के बीच रहकर उनके हितों के लिए कार्य करती रहेंगी।

मुंबई की सर्वश्रेष्ठ बालरोग सेवाएँ अब सोलापुर में : नारायणा हेल्थ एसआरसीसी, मुंबई ने नोबल हॉस्पिटल में विशेष ओपीडी शुरू की

मुंबई। बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन हॉस्पिटल, मुंबई, ने सोलापुर में नोबल हॉस्पिटल में अपनी समर्पित उपकेंद्र ओपीडी (आउट-पेशेंट डिपार्टमेंट) शुरू करने की घोषणा की है। यह पहल उन परिवारों की मदद करने के उद्देश्य से बनाई गई है, जिन्हें अपने बच्चों के लिए उन्नत चिकित्सा देखभाल के लिए मुंबई आना अक्सर कठिन लगता है। विशेष रूप से जब लंबे समय तक उपचार या बार-बार फॉलो-अप की आवश्यकता होती है। नई ओपीडी शुरू में नोबल हॉस्पिटल, पुलिस ग्रामीण मुख्यालय के निकट, सोलापुर में बच्चों के लिए प्रमुख सुपरस्पेशलिटी परामर्श प्रदान करेगी, जिनमें शामिल हैं: बाल हृदयरोग विशेषज्ञता, बाल रक्त रोग, कैंसर एवं बीएमटी विशेषज्ञता और बाल पाचन तंत्र, यकृत रोग एवं लीवर ट्रांसप्लांट विशेषज्ञता। इन सेवाओं को सोलापुर में उपलब्ध कराकर ओपीडी का उद्देश्य यह है कि बच्चों को मुंबई बार-बार यात्रा करने की जरूरत न पड़े। साथ ही, बच्चों का समय पर मूल्यांकन, नियमित निगरानी और जटिल चिकित्सकीय स्थितियों में सतत देखभाल सुनिश्चित की जा सके।

इस अवसर पर नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन हॉस्पिटल, मुंबई की मेडिकल डायरेक्टर डॉ. सूनू उदानी ने कहा, कई परिवारों के लिए दूरी लगातार चिकित्सा देखभाल में एक बड़ी बाधा बन जाती है। सोलापुर में इस ओपीडी के माध्यम से हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि बच्चे अपने निवास स्थान के पास ही विशेषज्ञ परामर्श प्राप्त करें, जिससे निदान और फॉलो-अप में देरी न हो, और परिवारों के लिए चिकित्सा देखभाल अधिक सुलभ और प्रबंधनीय बन सके। विशेषज्ञ बच्चे के प्राथमिक देखभालकर्ता के साथ साझेदारी और समन्वय करेंगे, जिससे यात्रा और तनाव कम होगा, और विशेषज्ञ और प्राथमिक बाल रोग विशेषज्ञ दोनों से निरंतर देखभाल सुनिश्चित होगी।

फ्रेयर एनर्जी ने भारत की पहली इंटेलिजेंट सेल्फ-क्लीनिंग सोलर टेक्नोलॉजी और उन्नत हाइब्रिड सिस्टम को लॉन्च किया

मुंबई। फ्रेयर एनर्जी, भारत की प्रमुख रेजिडेंशियल सोलर समाधान प्रदाता कंपनी, ने आज भारत का पहला इंटेलिजेंट सेल्फ-क्लीनिंग सोलर सिस्टम और अगली पीढ़ी के हाइब्रिड सोलर समाधानों को लॉन्च किया। ये नई पेशकशें घरेलू सोलर उपयोगकर्ताओं की सोलर पैनलों पर धूल जमने और लगातार बिजली कटौती की दो सबसे बड़ी समस्याओं को हल करती हैं।

अगर सोलर पैनलों की नियमित सफाई न की जाए, तो जमा हुई धूल बिजली उत्पादन को 30% तक कम कर सकती है। इसी समस्या को हल करने के लिए कंपनी ने एक खास 'सेल्फ-क्लीनिंग' सोलर सिस्टम बनाया है।

इसमें आधुनिक सेंसर लगे हैं जो जरूरत पड़ने पर अपने आप पैनलों को साफ कर देते हैं। भारत में अपनी तरह का यह अनोखा आविष्कार न केवल बिजली की पैदावार बढ़ाता है, बल्कि पैनलों को हाथ से साफ करने की झंझट भी खत्म कर देता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें पानी की बचत बहुत होती है—यह तकनीक आम तरीकों के मुकाबले 90% कम पानी का इस्तेमाल करती है। खास तौर पर भारत के उन इलाकों के लिए जहाँ धूल ज्यादा उड़ती है, यह सिस्टम सोलर को बिना किसी सिरदर्द वाला एक बेहतरीन समाधान बना देता है।

फ्रेयर एनर्जी के को-फाउंडर और प्रबंध निदेशक सौरभ मार्डा ने कहा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और केरल जैसे राज्य भारत की सोलर क्रांति के लिए बहुत बड़े बाजार हैं। फ्रेयर एनर्जी की स्मार्ट सेल्फ-क्लीनिंग तकनीक धूल भरी सड़कों और मौसम की वजह से फंसने वाले प्रदूषण की गंभीर समस्या को हल करने में एक बड़ा बदलाव लाती है।

हमारे हाइब्रिड सिस्टम के साथ मिलकर, हम न सिर्फ मौजूदा मुश्किलों को दूर कर रहे हैं—बल्कि सोलर को पहले से कहीं ज्यादा आसान और फायदेमंद बना रहे हैं। देश में 3-4 साल की पेबैक पीरियड, मजबूत सरकारी नीतियां और सब्सिडी के बारे में बढ़ती जागरूकता के साथ, इन राज्यों में सोलर अपनाने का इससे बेहतर मौका कभी नहीं आया।₹

सोलर पर स्विच करने वाले निवासियों को केंद्रीय और राज्य सरकार की संयुक्त सब्सिडी का लाभ मिल सकता है।

जबकि उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक 1 लाख रुपये तक की सब्सिडी प्रदान करता है, मध्य प्रदेश 78,000 रुपये तक की पर्याप्त सब्सिडी देता है। केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर योजना सब्सिडी के अलावा, केरल सरकार सौरा कार्यक्रम के तहत नेट मीटरिंग व्यवस्थाओं के लिए राज्य-स्तरीय सहायता के माध्यम से निवासियों का समर्थन कर रही है, जो सोलर अपनाने को पहले से कहीं अधिक किफायती बना रही है। राज्यों में यह पर्याप्त वित्तीय समर्थन, फ्रेयर एनर्जी की नवीन तकनीक के साथ मिलकर, सिर्फ 3-4 साल की तेज पेबैक अवधि और अगले 20+ साल के लिए मुफ्त बिजली सुनिश्चित करता है।

कंपनी ने उत्तर प्रदेश (लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज और वाराणसी), मध्य प्रदेश (जबलपुर, इंदौर, भोपाल, सागर, उज्जैन, कटनी, रीवा, सतना, ग्वालियर), महाराष्ट्र (नागपुर, पुणे, नासिक, औरंगाबाद, सोलापुर), केरल (त्रिवेंद्रम, कोचिन, कालीकट, अलप्पुझा, त्रिशूर, पालक्कड़), तेलंगाना (हैदराबाद, खम्मम, निजामाबाद, करीमनगर, महबूबनगर, वारंगल, नलगोंडा, संगारेड्डी) और आंध्र प्रदेश (विशाखापट्टनम, राजमुंद्री, भीमावरम, काकीनाड़ा, एलुरु, श्रीकाकुलम, ओंगोले, नेल्लोर, कुरनूल, चित्तूर, कडपा, विजयवाड़ा, तिरुपति, विजयनगरम) में अपने कई परिचालन शहरों में महत्वपूर्ण ट्रैक्शन देखा है—रूफटॉप और हाइब्रिड सोलर सिस्टम की मांग बढ़ रही है, जो बढ़ती बिजली लागत, धूल-संबंधी रखरखाव चिंताओं और फ्रेयर एनर्जी की व्यापक आफ्टर-सेल्स सपोर्ट से संचालित है।

यह प्रमुख वित्तीय संस्थानों के माध्यम से फाइनेंसिंग के लचीले विकल्पों द्वारा समर्थित है। फ्रेयर के पास भारत भर में 7 लाख ग्राहकों को सशक्त बनाने वाले 10 सोलर एक्सपीरियंस सेंटर हैं।

हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक राजन नाईक

नालासोपारा। नालासोपारा ईस्ट स्थित तानिया निक्की कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड की 25वीं सिल्वर जुबली के अवसर पर भव्य हल्दी-कुमकुम सेरेमनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस खास मौके पर नालासोपारा विधायक राजन नाईक की गरिमामयी उपस्थिति रही। महिला मंडल, तानिया निक्की सोसाइटी की पहल से आयोजित यह कार्यक्रम अत्यंत सुंदर, जोशीला और सांस्कृतिक रंगों से भरपूर रहा। पारंपरिक हल्दी-कुमकुम समारोह, महिलाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे परिसर में उत्सव का माहौल बना दिया। विधायक राजन नाईक ने महिला मंडल और आयोजकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ समाज में एकता, आपसी प्रेम और सांस्कृतिक मूल्यों को सशक्त बनाती हैं। कार्यक्रम की सफलता पर महिला मंडल एवं सभी आयोजकों को बधाई और शुभकामनाएँ दी गईं।

चोरी के आरोप में महिला गिरफ्तार, अपराध जांच शाखा कक्ष एक ने की कारवाई

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड में गत 15/01/2026 को दोपहर 12:30 बजे से शाम 6:30 बजे तक, शिकायतकर्ता श्रीमती अनीता राजा भाऊ गांडले, जिनकी उम्र 51 वर्ष है और जो लोढ़ा एक्वा बिल्डिंग, पेंकर पाड़ा, काशिमीरा मीरा रोड ईस्ट में रहती हैं, उन्होंने अपना घर बंद करके और बांद्रा में मतदान करने चली गईं। बांद्रा से मतदान करके घर लौटने पर उन्हें पता चला कि एक अज्ञात व्यक्ति उनके घर में घुस गया था और शयनकक्ष में रखी लकड़ी की अलमारी का ताला तोड़कर उसमें से लगभग 13 तोला सोने के आभूषण चुरा लिए, जिनकी कीमत 7,08,000 रुपये है। शिकायतकर्ता ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और 15/01/2026 को काशिमीरा पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता, 2023 की धारा 331(3) और 305(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया। उक्त अपराध की समानांतर जांच करते हुए, अपराध पहचान शाखा कक्ष 1, एम. भा. वी. वी. ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्र की जांच करने के बाद और प्राप्त अन्य तकनीकी एवं गोपनीय सूचनाओं के आधार पर पाया कि उक्त अपराध 40 वर्षीय उषा ताई संजय कथारे नामक महिला द्वारा किया गया था। उक्त महिला आरोपी को 17/01/2026 को हिरासत में लिया गया और जब उससे अपराध के अनुसार पूछताछ की गई, तो पाया गया कि उसने उक्त अपराध किया था। उक्त महिला आरोपी द्वारा चुराए गए लगभग 13 तोला सोने के आभूषण वजन, जिनका 7,08,000 रुपये है, जब्त कर लिए गए हैं और काशिमीरा पुलिस स्टेशन द्वारा उक्त अपराध की आगे की जांच की जा रही है। उपरोक्त कार्य काशिमीरा स्थित क्राइम डिस्क्लोजर ब्रांच सेल 1 द्वारा निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, दत्तात्रेय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, संदीप डोइफोडे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) मदन बल्लाल, सहायक पुलिस आयुक्त (खुलासा) के मार्गदर्शन में, और पोन सुशील कुमार शिंदे, सपोनी सचिन सनप, सपोनी योगेश काले, पौपानी उमेश भगवत, सफी अशोक पाटिल, अविनाश गर्जे, संजय शिंदे, संतोष लांडगे, पुष्पेंद्र थापा, पोहवा मनोज चव्हाण, प्रशांत विस्पुते, सचिन हुले, सुधीर खोट, पोहवान धीरज मेनगाने, गौरव बारी, सौरभ इंगले, लकी पवार, मसूब किरण असवाले, साथ ही मपोहवान लतादेवी एक्कलादेवी क्राइम ब्रांच और सफौ संतोष चव्हाण साइबर क्राइम ब्रांच के मार्गदर्शन में किया गया।

ठाणे में संगीत साहित्य मंच का वार्षिकोत्सव, संगीत–साहित्य महाकुंभ का भव्य आयोजन

ठाणे। ठाणे के गोकुल नगर स्थित वर्धमान हाल में रविवार, 18 जनवरी 2026 को संगीत साहित्य मंच के वार्षिकोत्सव के अवसर पर संगीत एवं साहित्य महाकुंभ का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संयोजन मंच के संस्थापक रामजीत गुप्ता तथा सह संयोजन सदाशिव चतुर्वेदी मधुर ने किया। समारोह की अध्यक्षता अनिल कुमार सिंह ने की, जबकि स्वागताध्यक्ष रामप्यारे सिंह रघुवंशी रहे।

मां सरस्वती की वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। गीत-संगीत प्रस्तुति में शिवम पाण्डेय, नंदिनी तिवारी और सुरेश आनंद ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। इसके पश्चात आयोजित कवि सम्मेलन में अनेक वरिष्ठ व युवा कवियों ने काव्य पाठ किया। समारोह में हरित जीवन साप्ताहिक समाचार पत्र का लोकार्पण भी किया गया। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों एवं साहित्यकारों के प्रति आभार व्यक्त किया।

हाईटेंशन लाइन का तार गिरने से स्कूटी जली

औरैया(उत्तरशक्ति)। औरैया में शहर से सटे गांव समरथपुर में अचानक हाईटेंशन लाइन का तार टूट कर गिरने से नीचे खड़ी स्कूटी जल गई। गनीमत रही कि इस दौरान नीचे कोई नहीं था। विद्युत विभाग के अधिकारी पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मोहल्ले के लोगों ने हाईवे की सर्विस रोड जाम कर दी। जानकारी पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों को समझाकर शांत किया। सदर कोतवाली क्षेत्र से निकले कानपुर-इटावा से सटे गांव समरथपुर स्थित रायल सिटी गार्डन के पास अचानक 11 हजार वोल्टेज की हाईटेंशन लाइन टूट कर मकान के ऊपर जा गिरी। तार का एक हिस्सा नीचे गिरने से वहां खड़ी रविंद्र पाठक की स्कूटी पर गिर गया। इससे स्कूटी जल गई। वहीं, तार गिरने से मोहल्ले से अफरातफरी मच गई। रविंद्र की बेटी छाया जो छत पर धूप में बैठी हुई थी। उसने जान बचाने चक्कर में दूसरी छत पर छलांग लगा दी। इससे वह घायल हो गई।

राष्ट्र निर्माण की नींव युवाओं के संस्कार और अनुशासन में निहित : सुनील आंबेकर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संगोष्ठी भवन में ह्लराष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिकाह्व विषय पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संघ की 100 वर्षों की यात्रा को दशार्ती एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसे विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक देखा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि राष्ट्र निर्माण की नींव युवाओं के संस्कार, अनुशासन और सतत अभ्यास में निहित है। आयुर्वेद, विज्ञान और योग जैसी भारतीय परंपराएँ मानव सभ्यता की सबसे प्राचीन धरोहर हैं, जिन्हें आज 21वीं सदी में पूरा विश्व स्वीकार कर रहा है। योग भले ही हजारों वर्ष पुराना हो, लेकिन आज विकसित देशों को भी इसकी आवश्यकता महसूस हो रही है। यह भारत की उस सांस्कृतिक चेतना का प्रमाण है, जो सदैव विश्व कल्याण की भावना से प्रेरित रही है।

उन्होंने कहा कि अच्छा नागरिक और देश के लिए उपयोगी व्यक्ति बनने की प्रक्रिया बचपन से ही प्रारंभ होती है। अचानक जागकर कोई भी महान नहीं बनता, इसके लिए निरंतर अभ्यास, अनुशासन और संस्कार आवश्यक होते हैं। उन्होंने युवाओं की उस सोच पर भी प्रकाश डाला कि ह्लमैं अकेला सही बनकर क्या कर लूँगाह्व, और कहा कि इतिहास गवाह है कि जब कोई व्यक्ति अकेले सही मार्ग पर चलता है, तो वही मार्ग आगे चलकर समाज का मार्ग बन जाता है। सुनील आंबेकर ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने स्थापना के सौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए पाँच आयामों पर कार्य कर रहा है। सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी भाव का जागरण तथा नागरिक कर्तव्यों का बोध। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि आज का युवा ऊर्जावान, तेजस्वी और नवाचार से भरा हुआ है। लेकिन युवा शक्ति को सही दिशा देने के लिए मूल्यबोध और उद्देश्य अत्यंत आवश्यक हैं। जब जीवन का लक्ष्य केवल स्व तक सीमित रहता है, तो उपलब्धियाँ भी सीमित होती हैं, जबकि लक्ष्य में राष्ट्र जुड़ने से जीवन स्वयं सार्थक बन जाता है।कार्यक्रम की प्रस्तावना एवं अतिथियों का स्वागत प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को सकारात्मक सोच और राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन विभाग कार्यवाह डॉ. नितेश जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे, जिन्होंने प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से मुख्य वक्ता से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।इस अवसर पर मंच पर काशी प्रांत के प्रांत संचालक अंगराज, प्रांत प्रचारक रमेश, सह प्रांत प्रचारक सुनील, प्रांत प्रचारक प्रमुख रामचंद्र, विभाग प्रचारक आदित्य, अमरजीत, डॉ. महेंद्र, प्रो. एच सी पुरोहित, प्रो. मानस पाण्डेय, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. मनोज मिश्रा, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. अजय प्रताप सिंह, डॉ. मनीष प्रताप सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव,डॉ. मनीष गुप्ता सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

श्री नारायणी सेवा संस्थान द्वारा आदिवासियों और जरूरतमंदों को कंबल वितरित

मुंबई। महानगर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था श्री नारायणी सेवा संस्थान और श्री नारायणी नारी चेतना केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से लोनावाला के धनगर बस्ती, इंदिरा नगर, वालवन हाईवे,नारायणी धाम समेत दर्जनों गांव में आदिवासियों तथा जरूरतमंद लोगों को संस्था के ट्रस्टी तथा प्रख्यात समाजसेवी काशी प्रसाद मुरारका के सुपुत्र डॉ अनील काशी मुरारका के हाथों मुफ्त कंबल का वितरण किया गया। लोनावाला के अलावा मुंबई के भी कई स्लम इलाकों में संस्था द्वारा जरूरतमंदों को कंबल वितरित किया गया। ठंडी के मौसम में कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे खिल उठे। इस समय पड़ रही ठंडक के बीच अनेक परिवारों को हो रही परेशानियों को देखते हुए संस्था द्वारा यह नेक काम किया गया। कंबल वितरण करते समय जरूरतमंदों के चेहरों पर आई खुशियों तथा आभार की भावना को देखकर डॉ मुरारका द्रवित हो उठे। कंबल वितरण करते समय उन्होंने जरूरतमंदों के कंधों पर अपना हाथ रखकर उनका हौसला अफजाई भी किया। खासकर छोटे बच्चों को कंबल वितरित करते समय बच्चों के चेहरों का भाव और उनका उत्साह देखकर मुरारका काफी भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि यही वह कार्य हैं, जो उनके जीवन को ताकत और आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

पंजाब नेशनल बैंक वित्त वर्ष 2026 की तीसरी और 9 वीं तिमाही के लिए वित्तीय परिणाम

मुंबई, 19 जनवरी 2026: पंजाब नेशनल बैंक, देश के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक, ने आज वित्त वर्ष 2026 की तीसरी और 9 वीं तिमाही के लिए वित्तीय परिणाम घोषित किए। शुद्ध लाभ वर्ष-दर-वर्ष 13.1% बढ़कर वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में ?5,100 करोड़ हो गया, जो वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में ?4,508 करोड़ था। अस्तियों पर रिटर्न वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 1.03% से सुधरकर वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में 1.06% हो गया। परिचालन लाभ वर्ष-दर-वर्ष 13% बढ़कर वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में ?7,481 करोड़ हो गया, जो वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 6,621 करोड़ था। सकल गैर-निष्पादित अस्तियां अनुपात दिसंबर'24 के 4.09% से वर्ष-दर-वर्ष 90 आधार अंक सुधरकर दिसंबर'25 में 3.19% हो गया। शुद्ध गैर-निष्पादित अस्तियां अनुपात दिसंबर'24 के 0.41% से वर्ष-दर-वर्ष 9 आधार अंक सुधरकर दिसंबर'25 में 0.32% हो गया। प्रावधान कवरेज अनुपात (टीडब्ल्यूओ सहित) दिसंबर'24 के 96.77% से वर्ष-दर-वर्ष 22 आधार अंक सुधरकर दिसंबर'25 में 96.99% हो गया। प्रति शेयर बुक वैल्यू वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में ?102.02 से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में ?114.09 हो गई, जो 11.83% की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्शाता है। प्रति शेयर आय वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में ?3.92 से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में ?4.44 हो गई, जो 13.27%.की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्शाती है। वैश्विक कारोबार दिसंबर'24 के ?26,39,991 करोड़ से वर्ष-दर-वर्ष 9.5% बढ़कर दिसंबर'25 में ?28,91,528 करोड़ हो गया। वैश्विक जमा दिसंबर'24 के ?15.30 लाख करोड़ से वर्ष-दर-वर्ष 8.5% की वृद्धि दर्ज करते हुए दिसंबर'25 में ?16.60 लाख करोड़ हो गए। वैश्विक अग्रिम दिसंबर'24 के ?11.10 लाख करोड़ से वर्ष-दर-वर्ष 10.9% बढ़कर दिसंबर'25 में ?12.31 लाख करोड़ हो गए। रैम अग्रिम दिसंबर'24 के ?5.96 लाख करोड़ से वर्ष-दर-वर्ष 11.0% बढ़कर दिसंबर'25 में ?6.62 लाख करोड़ हो गए। सीडी अनुपात दिसंबर'24 में 72.6% की तुलना में दिसंबर'25 में 74.2% रहा। सीआरएआर दिसंबर'24 के 15.41% से सुधरकर दिसंबर'25 में 16.77% हो गया, जो 136 आधार अंकों की वृद्धि दर्शाता है।

राष्ट्र सेविका समिति ने समरसता भोज का किया आयोजन

-चंदन जायसवाल

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर राष्ट्रीय सेविका समिति ने महिलाओं और बच्चियों के साथ मिलकर स्थानीय उत्सव वाटिका प्रांगण में महिला गोष्ठी व समरसता भोज का आयोजन किया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता अनुपमा अग्रहरि ने महिलाओं से कहा कि आप परिवार एवं समाज के केंद्र है और भावी पीढ़ी के गुणों की चाभी हैं। परिवार व समाज को सशक्त बनाने के लिए महिलाएं बच्चों के शारीरिक ,भावनात्मक व आध्यात्मिक पहलुओं पर विशेष ध्यान दें। समाज के संपूर्ण विकास के लिए महिलाओं का शिक्षित होने के साथ-साथ संस्कारित होना भी अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर जिला विभाग कार्यवाहिका नीतू सिंह ने भी अपने विचार रखे। मीरा आर्या और अनन्या अग्रहरि ने सुंदर गीत प्रस्तुत किया। नम्रता बरनवाल ने मकर संक्रांति उत्सव के महत्व के बारे में सबको बताया। आर्य जायसवाल ने विभिन्न मनोरंजक खेल कराकर महिलाओं में नव ऊर्जा का संचार किया। अंत में कार्यक्रम सह संयोजिका अन्नपूर्णा मोदनवाल ने सबका आभार व्यक्त किया इस अवसर परउपस्थित लोगों में सुनीता अग्रहरि, किरण चौबे, पत्रकार पंकज जयसवाल, नीतू मिश्रा, कुसुम जायसवाल,शालू मोदनवाल, रूबी जायसवाल ,रागिनी जायसवाल, गीता अग्रहरि पूजा चौबे,अर्पिता दुबे सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रही।

मासूम के साथ दो किशोरों ने किया आप्रकृतिक दुष्कर्म, पुलिस ने आरोपियों को किया गिरफ्तार

-विशाल सैनी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के एक गाँव दुष्कर्म करने का एक सनसनी खेज मामला सामने आया है। जिसमे कोतवाली पुलिस मामले की जांच पड़ताल और आरोपियों की धरपकड़ के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। बताया जाता है की नगर से सटे सबरहद में सोमवार की दोपहर एक सात वर्षीय बालक अपने घर के बाहर खेल रहा था।आरोप है तभी दो किशोर जिसमे एक उम्र 13 वर्ष एवं दूसरे का 9 वर्ष बताया जा रहा है। बहला फुसला कर एक सुनसान स्थान पर ले गए। जहां उक्त मासूम के साथ आप्रकृतिक दुष्कर्म किया।और भाग गए।परिजनों को जानकारी होने पर तत्काल कोतवाली पुलिस को जानकारी दी।जिसपर कोतवाली तत्काल पीड़ित को उपचार हेतू सामुदायिक स्वास्थ केंद्र ले गए जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गम्भीर देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर उपचार हेतू जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।आवश्यक लिखा पढ़ी की जा रही है।उसके बाद चालान न्यायालय प्रेषित किया जाएगा।

मार्ग के नवनिर्माण से आवागमन होता सुलभ : रमेश चंद्र मिश्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संतुलित क्षेत्रीय विकास निधि से बदलापुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पुराने एनएच रेलवे क्रासिंग के बगल से बबुरा शर्मा बस्ती संपर्क मार्ग के नवनिर्माण कार्य का सोमवार को विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने लोकार्पण किया। 1.5 किमी लंबे इस मार्ग के निर्माण से जनता की वर्षों से बहु प्रतीक्षित मांग और उम्मीद पूरी हुई। विधायक ने बताया कि नए पिच रोड के निर्माण से क्षेत्रीय जनों का सुगम आवागमन सुगम होगा। विधायक ने कहा कि इस मार्ग को बनवाने के लिए जनता लंबे समय से मांग कर रही थी। इसके लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया था जिसकी स्वीकृति मिलने पर बजट पास हुआ। इससे क्षतिग्रस्त मार्ग पर राहगीरों और आम जनता के साथ दुर्घटना की घटनाओं से क्षेत्र को मुक्ति मिली। सरकार जनता की उम्मीद पर पूर्ण रूप से खरा उतरने का काम कर रही है। इस मौके पर अवधेश उपाध्याय, ज्ञानेंद्र सिंह, विनोद सिंह, विनोद तिवारी, संदीप सिंह, प्रयास उपाध्याय, संजय सिंह, मनोज निषाद आदि मौजूद रहे।

भारतीय सदविचार मंच ने किया ठाकुर रमेश सिंह, विजय सिंह कौशिक और पारसनाथ तिवारी को पुरस्कृत

मुंबई। महानगर की सुप्रसिद्ध और चर्चित सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक संस्था भारतीय सदविचार मंच द्वारा दहिसर (पूर्व) मुंबई -68 में स्थित संस्था सभागार में संस्था संस्थापक , प्रमुख मार्गदर्शक डॉ राधेश्याम तिवारी की अध्यक्षता और कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि बोरीवली के लोकप्रिय विधायक संजय उपाध्याय, उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आर एन सिंह और शिक्षाविद् डॉ हृदय नारायण मिश्रा के सानिध्य में संपन्न इस भव्य पुरस्कार समारोह में पूर्व विधायक, शिक्षाविद् रमेश सिंह ठाकुर को उनकी अनुपस्थिति में 25 वां डॉ राममनोहर त्रिपाठी पुरस्कार-2025, वरिष्ठ पत्रकार, दैनिक भास्कर के स्थानीय संपादक विजय सिंह कौशिक को 8 वां ठाकुर हरदत्त सिंह आदर्श पत्रकारिता पुरस्कार -2025 और वरिष्ठ समाजसेवी डॉ.पारसनाथ तिवारी को बाबू आर.एन.सिंह आदर्श समाजसेवी पुरस्कार -2025 द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह में विजय सिंह कौशिक द्वारा लिखित यात्रा संस्मरण पुस्तक कुछ रंग इधर के ,कुछ रंग उधर के (एक पत्रकार का सफरनामा) का अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया। इस समारोह में नवभारत के संपादक ब्रजमोहन पाण्डेय, शिवसेना (उ.बा.ठा)के राष्ट्रीय प्रवक्ता आनंद दुबे,समरस फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. किशोर सिंह, मुंबई भाजपा के प्रवक्ता उदयप्रताप सिंह,हमारा महानगर के संपादक राघवेन्द्र द्विवेदी, वरिष्ठ पत्रकार अनुराग त्रिपाठी,यश भारत के सहायक संपादक अभय मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार अनिल गलगली, प्रारम्भ उत्तर दर्शन के सम्पादक विनोद हरदत्त सिंह,संस्था के सह संस्थापक दिनेशचंद्र उपाध्याय और राघवेन्द्र सेवा मंच के अध्यक्ष सुरेंद्र मिश्रा सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। संस्था अध्यक्ष डॉ.शिवश्याम तिवारी के मुख्य संयोजन और महामंत्री नागेन्द्र मिश्रा के संचालन में समाजसेवी श्रीनिवास तिवारी विद्रोही, संस्था के मार्गदर्शक मंडल के सदस्य श्रीकांत पाण्डेय, हरिशंकर तिवारी, संस्था शिक्षक प्रकोष्ठ के संयोजक हरिप्रसाद पाण्डेय, समाजसेवी रामसेवक पाण्डेय, समाजसेवी आशुतोष उपाध्याय, समाजसेवी डॉ.अजय एल. दुबे, हमारा महानगर के स्थानीय संपादक आदित्य दुबे,समाजसेवी अनिरुद्ध पाण्डेय, पूर्व नगर सेवक रामनारायण दुबे,वरिष्ठ पत्रकार सुनील मेहरोत्रा, वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार सिंह, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पाण्डेय, शिक्षाविद् चिंतामणि पाण्डेय और समाजसेवी प्रमोद श्यामाचरण पाण्डेय सहित सैकड़ों गणमान्य उपस्थित थे।

संस्था पदाधिकारी पं.कमलाशंकर मिश्रा, बैजनाथ मिश्रा, गणेश प्रसाद पाण्डेय, राजकुमार सिंह, मनोज चतुर्वेदी,बी.एम.गुप्ता, सुभाषचन्द्र दुबे, एड. शिशिर पाण्डेय, रत्नेश दुबे और रामप्रकाश तिवारी ने आये हुए अतिथियों का स्वागत किया। कार्यसमिति सदस्य कमलाकांत त्रिपाठी, उमेश सिंह , अमित तिवारी और संस्था की अंधेरी शाखा के अध्यक्ष प्रेमचंद (बाबा) तिवारी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना भरपूर सहयोग प्रदान किया। संस्था के मंत्री राजीव मिश्रा द्वारा आभार व्यक्त किया गया। अंत में संस्था की कार्यसमिति के सदस्य सूर्यप्रकाश (संतोष) मिश्र की धर्मपत्नी और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री राज के.राजपुरोहित के दुखद निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। प्रीति भोज के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

एस्क्रोटेक इंडिया ने एस्क्रो NXT के रूप में रीब्रांड किया

मुंबई। एस्क्रोटेक इंडिया, देश की एकमात्र प्योर-प्ले सॉफ्टवेयर एस्क्रो सेवा प्रदाता और मार्केट लीडर, ने AI-संचालित सिस्टम, बेहतर क्षमताओं और वैश्विक विस्तार के लिए अगली पीढ़ी के सॉफ्टवेयर एस्क्रो समाधानों पर अपने फोकस को रेखांकित करने के लिए आधिकारिक तौर पर एस्क्रोठळ के रूप में रीब्रांड किया है।

एस्क्रोNXT आधिकारिक तौर पर 1 जनवरी 2026 को लागू हुआ। 2005 में एस्क्रोटेक इंडिया के रूप में स्थापित, कंपनी ने 500 से अधिक ग्राहकों को सेवा दी है, जिसमें प्रमुख भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय BFSI संस्थान और प्रमुख सॉफ्टवेयर कंपनियाँ शामिल हैं। AI-संचालित सिस्टम के लिए अगली पीढ़ी के सॉफ्टवेयर एस्क्रो समाधानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, एस्क्रो NXT स्वचालित सत्यापन और स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट इंटीग्रेशन को शामिल करने की योजना बना रहा है। अपनी अंतर्राष्ट्रीय विकास रणनीति के हिस्से के रूप में, कंपनी GCC क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने और क्षेत्रीय उद्यमों और वित्तीय संस्थानों को सपोर्ट करने के लिए दुबई में एक ऑफिस स्थापित कर रही है। सॉफ्टवेयर एस्क्रो एक सुरक्षित, त्रिपक्षीय व्यवस्था है जो एक सॉफ्टवेयर डेवलपर, एक क्लाइंट या अंतिम उपयोगकर्ता और एक स्वतंत्र एस्क्रो प्रदाता के बीच होती है, जिसके तहत सॉफ्टवेयर का सोर्स कोड और डॉक्यूमेंटेशन सुरक्षित रूप से रखा जाता है और केवल तभी जारी किया जाता है जब पूर्वनिर्धारित घटनाएँ, जैसे कि विक्रेता की दिवालियापन या अनुबंध का उल्लंघन, होती हैं। एस्क्रो सेवाएँ विक्रेता का सपोर्ट विफल होने पर व्यावसायिक निरंतरता सुनिश्चित करके ग्राहकों की रक्षा करती हैं, जबकि डेवलपर्स को अपनी बौद्धिक संपदा को उजागर किए बिना विश्वास और विश्वसनीयता बनाने में मदद करती हैं। एक तटस्थ संरक्षक के रूप में कार्य करके, एस्क्रो सेवाएँ आज के तेजी से विकसित हो रहे डिजिटल परिदृश्य में सभी पक्षों के लिए जोखिम को कम करती हैं और विश्वास को मजबूत करती हैं। एस्क्रोNXT ने भारत में सॉफ्टवेयर एस्क्रो सेवाओं के संस्थागतकरण की शुरूआत की, ऐसे समय में जब टेक्नोलॉजी जोखिम शमन काफी हद तक अज्ञात था।

अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद व राष्ट्रीय बजरंग दल की हुई बैठक

अर्चना बर्नी राष्ट्रीय महिला परिषद की जिलाध्यक्ष व दिलीप को मिली अहिप के नगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद व राष्ट्रीय बजरंग दल की सामूहिक बैठक तिलकधारी इण्टर कॉलेज स्थित श्री हनुमान मन्दिर के प्रांगण में सोमवार को हुई जिसमें 20 जनवरी दिन मंगलवार को संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. प्रवीण भाई तोगड़िया के कार्यक्रम को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इसके पश्चात पदाधिकारियों की घोषणा किया गया जिसमें प्रधानाचार्य अर्चना सिंह जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय महिला परिषद, अरुण श्रीवास्तव नगर मंत्री, सुमित जायसवाल नगर उपाध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल एवं दिलीप जायसवाल नगर अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद जौनपुर घोषित किये गये। इस मौके पर जितेन्द्र बहादुर सिंह जिलाध्यक्ष, कृष्ण कुमार उपाध्याय जिला महामंत्री, आशीष श्रीवास्तव नगर अध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल, अजय पाण्डेय जिलाध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद, विवेक उपाध्याय जिला मंत्री, सचिन श्रीवास्तव जिला मंत्री, सुधीर कुमार जिला मंत्री अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद, गोविंद गुप्ता हिंदू एडवोकेट फोरम जिला उपाध्यक्ष, श्री लक्ष्मी पूजा महासमिति ट्रस्ट के अध्यक्ष कृष्ण कुमार जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

पैसे के लालच में न आएं, विकास और बच्चों के भविष्य के लिए दें वोट : डॉ रागिनी सोनकर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर विधानसभा में विधायक डॉ.रागिनी सोनकर के नदियांव स्थित आवास पर रविवार की शाम सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य के नेतृत्व में वोट बढ़ाओ अभियान व कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत सभी कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने घर-घर जाकर नए मतदाताओं को पार्टी से जोड़ने का संकल्प लिया। इसमें मतदाताओं को उनके मताधिकार के बारे में जागरूक किया गया। विधायक ने कहा कि पैसे के लालच में वोट न देकर सोच समझ कर, विकास, सशक्तिकरण और बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए मतदान करें। विधायक ने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र के निर्माण में आपका मत महत्वपूर्ण है। कहा कि आपका एक मत से अयोग्य जनप्रतिनिधि चुने जाने से क्षेत्र और समाज विकास में पीछे छूट जाएगा। इसलिए योग्य प्रत्याशी को ही अपना जनप्रतिनिधि चुनें। जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने बीएलए, सेक्टर प्रभारी, जोन प्रभारी, पीडीए प्रहरियों को विधानसभा स्तर पर बूथ को मजबूत करने पर जोर दिया।

चाइनीज मांझे के निर्माण, भंडारण, उपयोग एवं बिक्री पर कारावास और जुर्माने का है प्रावधान: जिलाधिकारी

0-चाइनीज मांझा का भंडारण अथवा विक्रय होता हुआ पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध होगी कठोर कार्रवाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला पर्यावरण समिति एवं जिला गंगा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण नई दिल्ली के आदेश के अनुपालन में उत्तर प्रदेश के समस्त ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पतंग उड़ाने हेतु सिंथेटिक मांझा/सीसा लेपित/ नायलॉन पतंग डोर एवं चाइनीज मांझे के निर्माण, भंडारण, उपयोग एवं बिक्री को प्रतिबंधित किया गया है।

पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 की धारा-5 के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा-15 में निर्देशों के उल्लंघन के संबंध में प्रावधान किया गया है, जिसके अंतर्गत जो इस अधिनियम के निर्देशों में से किसी का पालन करने में असफल रहेगा उसे कारावास से, जिसकी अवधि 5 वर्ष की हो सकेगी, या जुमार्ने से, जो एक लाख रुपए तक हो सकेगा, दंडनीय होगा यदि ऐसी असफलता चालू रहता है तो प्रत्येक दिन के लिए रुपए 5000 तक का जुमार्ना रहेगा, यदि असफलता 1 वर्ष की अवधि से आगे भी चालू रहता है तो, अपराधी कारावास से जिसकी अवधि 7 वर्ष की हो सकेगी दंडनीय होगा।

जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों को भी अपने नगर निकायों में चाइनीज मांझे के विरुद्ध अभियान चलाते हुए भंडारण को नष्ट कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी निकाय में मांझा का भंडारण अथवा विक्रय होता हुआ पाया जाएगा, तो कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि जिन विभागों द्वारा अभी तक पौधारोपण के पश्चात जीवितता सफलता प्रतिशत रिपोर्ट नहीं दी गई है, वे शीघ्र दो दिवस में रिपोर्ट उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही वृक्षारोपण के लक्ष्य, पौधों के अनुरक्षण, सुरक्षा, सिंचाई, जीपीएस इनेबल्ड व्हीकल, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन आदि के संदर्भ में भी चर्चा की गई और जिलाधिकारी द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी भू राजस्व अजय अम्बष्ट, अपर जिला अधिकारी वि0/रा0 परमानंद झा, डीएफओ प्रोमिला सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी गण उपस्थित रहे

वाराणसी ने जौनपुर को पटकनी देकर बना पूर्वांचल केशरी

* गोबरा गांव में राष्ट्रीय कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का हुआ समापन
* प्रतियोगिता में पचास जोड़ी पहलवानों ने आजमाया अपना दाव
* जनपद की बड़ी हस्तियां दंगल प्रतियोगिता की शिरकत

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के गोबरा (कोड़रे) गांव में स्व.चन्द्रदेव यादव की 16वीं पुण्यतिथि पर रविवार को पूर्वांचल केशरी एवं राष्ट्रीय कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।दंगल प्रतियोगिता में पहुंचे मुख्य अतिथि मछलीशहर सांसद प्रिया सरोज व विशिष्ट अतिथि सपा विधायक तूफानी सरोज ने धरती पुत्र स्व मुलायम सिंह यादव व स्व चंद्रदेव यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए फीता काट पहलवानों से हाथ मिलाते हुए भव्य कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया। प्रतियोगिता मे वाराणसी, गाजीपुर, चंदौली, जौनपुर, आजमगढ़, बलिया, बी.एल. डब्लू, मिजार्पुर व भदोही के कई दर्जन नामी गिरामी पहलवानों ने भाग लिया। पहलवानों के दांव पेंच ने सबका दिल जीत लिया।प्रतियोंगीता के खिताबी मुकाबले में वाराणसी के यशवंत गिरी पहलवान ने जौनपुर के शेर बहादुर पहलवान को पटकनी देकर पूर्वांचल केशरी का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में पचास जोड़ी से अधिक पहलवानों ने जमकर दाव आजमाया,किसी के सिर पर जीत का ताज बंधा तो किसी ने हार से सीख लेकर अपना खेल बेहतर करने का संकल्प लिया।वही दंगल देखने के लिए भारी भीड़ भारी मैदान में रही मौजूद। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि जिलाध्यक्ष लालबहादुर यादव व अवधनाथ पाल, जिला पंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव,रागनी सोनकर, अनिल यादव, यशवंत सिंह व डॉ.ए के यादव समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम आयोजक सपा नेता नीरज पहलवान ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। सुरक्षा के मद्देनजर भारी पुलिस बल मौजूद रही। कुश्ती की अध्यक्षता विधायक तूफानी सरोज ने की।

गोबरा गांव का अखाड़ा क्षेत्र की है पहचान: प्रिया सरोज

गोबरा गांव में आयोजित दंगल प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि पहुँचीं सांसद प्रिया सरोज ने कुश्ती को स्वास्थ्य के लिए वरदान बताते हुए कहा कि कुश्ती शरीर और स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी खेल है, कुश्ती न केवल शारीरिक मजबूती देती है, बल्कि अनुशासन, धैर्य और आत्मविश्वास भी विकसित करती है।गोबरा अखाड़े की परंपरा और यहां के पहलवानों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह अखाड़ा क्षेत्र की पहचान है। उन्होंने घोषणा की कि गोबरा अखाड़े को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे, ताकि यहां के प्रतिभाशाली पहलवान देश और प्रदेश में नाम रोशन कर सकें।

खेलोगे तो खिलोगे और खिलोगे तो फलोंगे: ज्ञानप्रकाश सिंह

राष्ट्रीय कुश्ती दंगल में विशिष्ट अतिथि पहुंचे वरिष्ठ भाजपा नेता व उद्योगपति ज्ञानप्रकाश सिंह ने पहलवानों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलोगे तो खिलोगे और खिलोगे तो फलोंगे। यहां आए हुए पहलवानों को मेरा यही नसीहत है कि आपका लक्ष्य ओलंपिक,एशियाड और गोबरा गांव का अखाड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस अखाड़े के सुंदरीकरण के लिए कुछ ना कुछ जरूर करेंगे क्योंकि पहलवान यहां पर मिट्टी में खेलते है और जब नेशनल व इंटरनेशन खेलने जाते है तो उन्हें मैट पर खेलना पड़ता है और जो पकड़ मिट्टी पर मिलती है वह पकड़ मैट पर नहीं मिलती है जिससे उन्हें हार का मुंह देखना पड़ता है। ऐसी बहुत सारी चीजें है जिनपर विचार किया जायेगा।मै चाह रहा हूं कि जौनपुर का नाम देश ही नहीं पूरी दुनिया में हो ये तभी हो सकता है जब बच्चे ओलंपिक में जाकर गोल्ड मेंडल जीतकर देश,प्रदेश,जनपद व परिवार के साथ साथ खुद का नाम रोशन करेंगे।

36वीं वाहिनी पीएसी में 54 वाँ पीएसी दिवस मनाया गया

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रामनगर स्थित 36वीं वाहिनी पीएसी में 54वाँ पीएसी दिवस बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पुलिस उपमहानिरीक्षक मनोज कुमार सोनकर, 36वीं वाहिनी के सेनानायक डॉ.अनिल कुमार पांडे तथा उप सेनानायक प्रमोद कुमार बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत भव्य परेड से हुई, जिसमें पुलिस उपमहानिरीक्षक मनोज कुमार सोनकर ने परेड की सलामी ली। इसके पश्चात शस्त्र पूजन संपन्न कराया गया। इसके बाद योग शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें पीएसी के जवानों और अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। योग के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का संदेश दिया गया।

स्वर्णकार व्यापारियों पर मंडरा रहे संकट के बादल: राजकुमार सोनी

0- सोने की बढ़ती कीमत से हुई बाजार की रौनक खत्म,चांदी ने व्यापारियों की तोड़ी कमर

0-सोने और चांदी की बढ़ती कीमतों से बाजार में पसरा सन्नाटा,आर्थिक तंगी से जूझ रहे व्यापारी

गंज बासौदा। इन दिनों अंतरराष्ट्रीय बाजार के उतार-चढ़ाव के चलते सराफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में बहुत ही तेजी के साथ इजाफा हुआ है। जहां चांदी 3 महीने पहले एक लाख रुपए प्रति किलो और सोना 1 लाख लगभग प्रति 10 ग्राम के आसपास चल रहा था जो की लंबे उछाल के बाद बाजार में चांदी ढाई लाख के आसपास और सोना डेढ़ लाख के करीब पहुंच गया है। आंधी और तूफान के साथ सोने चांदी के भाव में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। वही सरार्फा संघ के पूर्व प्रवक्ता और स्वर्णकार विवाह मंच गंजबासौदा के संस्थापक संचालक राजकुमार सोनी ने व्यापारियों पर पढ़ रहे भार और बाजार में गिरावट छोटे दुकानदार से व्यवसाय दूर होना आदि विषयों पर लेकर शिखर पुंज संवाददाता से आज विचार विमर्श किया और श्री बताया कि इस समय बढ़ते दामों ने पूरे अंतरराष्ट्रीय बाजार में भूचाल लाकर रख दिया है। साथ ही छोटे-छोटे सरार्फा व्यापारियों पर पूर्णता संकट के बादल मंडराने लगे हैं। जो व्यापारियों ने पहले माल कम भाव में बेचा और अब नए भाव में उन्हें हिसाब करना उनकी मजबूरी बन गई है वही ऐसे कई व्यापारी हैं। जिन्हें लाखों रुपए का नुकसान की भरपाई इन भावों के चक्कर में करनी पड़ रही है। इसी के साथ व्यापारी अब आर्थिक तंगी से जूझने के लिए मजबूर हो गया है। सोने चांदी के दाम बढ़ने के बाद से बाजार में सन्नाटा सा पसर गया है। सुबह से लेकर शाम तक ग्राहकों की आवाजाही भी नजर नहीं आ रही है। वही शादियां भी इन दिनों बंद है सीजन में तो कुछ ग्राहक नजर आ ही जाते हैं लेकिन जिन्हें सामान लेना है वह भी भाव के कारण नहीं ले पा रहे हैं। अगर ऐसे ही भाव आगे बढ़ते रहे तो सरार्फा व्यापारियों को आगे और चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सोने से बाजार की रोनक हुई खत्मः-

जहां सोने में एक तरफ तेजी देखने को मिल रही थी उसमें कमी के कोई आसार शुरू से लेकर अभी तक नजर नहीं आए जैसे-जैसे सोना बढ़ता गया और सराफा बाजार की रौनक खत्म होती चली जा रही है। जो सोना 1 साल पहले 70 - 72 हजार प्रति तोला था वह दुगना हो गया है किसी भी वस्तु में इतने दुगने दाम कभी भी देखने को नहीं मिलते हैं लेकिन बाजार के उतार चढ़ाव के चलते एकदम सोने में तेजी देखने को मिली है जिससे व्यापारियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और बाजार की रौनक अब खत्म सी हो गई है। चांदी ने तोड़ी सरार्फा व्यापारियों की कमरः-

चांदी के बढ़ते दाम से व्यापारियों की दुकान के छोटे-छोटे समान घर गृहस्ती मे महिलाएं पायल बिछिया बच्चों के कंगन पायल हाय अंगूठी चूड़ी जो आइटम हुआ करते थे जिससे व्यापारियों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के साथ उनके घर के खर्च आराम से चल जाते थे। और शादी ब्याह के सीजन ना होने पर भी यह आइटम धीरे-धीरे बिकते थे उससे व्यापारियों का घर का खर्च चलता था लेकिन चांदी के ढाई लाख प्रति किलो आसमान जैसे भाव पर पहुंच जाने से व्यापारी हाथ पे हाथ रखकर बैठे हैं और इन भावों ने व्यापारियों की कमर तोड़ दी है जिससे अब उनके सामने रोजी-रोटी का संकट गहराने लगा है। अगर ऐसे ही भाव मजबूती के साथ महंगे रहे तो यह छोटे-छोटे सामान भी आम जनता खरीदने में अक्षम साबित होगी सरकार को इस और ध्यान देने की अत्यंत जरूरत है।